दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 184 ■ दमण, गुरुवार 18 अप्रैल 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण में रामनवमी पर श्री राम की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी

■ श्री राम शोभा यात्रा समिति दमण द्वारा आयोजित श्री राम की शोभा यात्रा में दमण-दीव सांसद लालू पटेल, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल, गुजरात भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रभारी विशाल टंडेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, उपाध्यक्ष नवीन पटेल एवं महेश आगरिया, दमण-दीव जिला पंचायत की पूर्व प्रमुख तरुणा पटेल, दमण जिला भाजपा प्रमुख अस्पी दमणिया, दमण जिला भाजपा युवा मोर्चा प्रमुख गौरांग पटेल, डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल, प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल एवं जनरल सेक्रेटरी भरत पटेल, पूर्व भाजपा अध्यक्ष बालू पटेल एवं बी. एम. माछी, महेन्द्र कामली, रमेश भंडारी, रुद्रेश टंडेल, अशोक पटेल, जतीन पटेल, मरवड उपसरपंच सतिष पटेल, तनोज पटेल, अम्रत पटेल, गणेश भंडारी, वसीम सैयद, शीतल पटेल, जयंती पटेल, शौकत मिठाणी सहित बडी उपस्थित अग्रणियों ने भगवान श्री राम का आशीर्वाद लिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 अप्रैल। रामनवमी के पावन अवसर पर दमण नगरी में भगवान श्री राम की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। दमण के प्रसिद्ध आचार्य संजय महाराज ने भगवान श्री राम की विधिवत पूजा-अर्चना करवाकर समाज के अग्रणियों के साथ महाआरती कर शोभायात्रा का शुभारंभ कराया था। श्री राम शोभा यात्रा समिति दमण द्वारा आयोजित भगवान श्री राम की शोभायात्रा नानी दमण वड चौकी से शुरु हुई थी। दमण शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए मशाल चौक पहुंची थी। इस शोभायात्रा में दमण-दीव सांसद लालू पटेल, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल, गुजरात भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रभारी विशाल टंडेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, उपाध्यक्ष नवीन पटेल एवं महेश आगरिया, दमण-दीव जिला पंचायत की पूर्व प्रमुख तरुणा पटेल, दमण जिला भाजपा प्रमुख अस्पी दमणिया, दमण जिला भाजपा युवा मोर्चा प्रमुख गौरांग पटेल, डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल, प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल एवं जनरल सेक्रेटरी भरत पटेल, पूर्व भाजपा अध्यक्ष बालू पटेल एवं बी. एम. माछी, महेन्द्र कामली, रमेश भंडारी, रुद्रेश टंडेल, अशोक पटेल, जतीन पटेल, मरवड उपसरपंच सतिष पटेल, तनोज पटेल, अम्रत पटेल, गणेश भंडारी, वसीम सैयद, शीतल पटेल, जयंती पटेल, शौकत मिठाणी सहित बडी उपस्थित अग्रणियों ने भगवान श्री राम का आशीर्वाद लिया था। शोभायात्रा में राम भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था, राम भक्त भगवा ध्वज लिए और भगवा खेश पहने भगवान राम के जय घोष के साथ नृत्य करते हुए अपना उत्साह प्रकट कर रहे थे। समापन के बाद महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने राम प्रसाद लिया।

रामनवमी के दिन राममय हुआ दादरा नगर हवेली

■ सिलवासा की सड़कों पर चारों तरफ भगवा की नदी बहती हुई दिखाई दी ■ लोकसभा की भाजपा प्रत्याशी कला डेलकर, पूर्व सांसद नटू पटेल सहित प्रदेश के कई गणमान्य व्यक्तियों ने धार्मिक आस्था के प्रतीक भगवान श्री राम के अवतरण दिवस पर निकाली गई शोभायात्रा का बने हिस्सा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 17 अप्रैल। दादरा नगर हवेली पिछले कई सदियों से अपने धार्मिक सद्भावना और सांस्कृतिक परंपराओं के मिलन का स्थल माना जाता रहा है। ऐसे में हिंदू धर्म के आस्था और जनमानस के आस्था के प्रतीक भगवान श्री राम के अवतरण दिवस पर बड़ा धार्मिक उल्लास ना हो ऐसा हो ही नहीं सकता। सुबह से ही सिलवासा की सड़के भगवा रंग में रंगी हुई दिखाई दी और चारों तरफ मानो जैसे भगवा रंग की नदी सड़कों पर बहती दिखाई दे रही हो। कई जगह पर भंडारा, महाप्रसाद सहित भजन-कीर्तन का आयोजन सुबह से ही किया जा रहा था। सिलवासा के विभिन्न मंदिरों में जहां महाप्रसाद चल रहा था वहीं रखोली और खानवेल, दादरा भी इस क्रम में पीछे नहीं थे और हजारों लोगों ने न सिर्फ होम, यज्ञ किया बल्कि महाप्रसाद का भी लाभ उठाया। शाम को कई धार्मिक संगठनों द्वारा विराट जन समुदाय के द्वारा भगवान राम के अवतरण दिवस पर शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें मानो हर कोई भगवान राम को अपने आप में समाहित कर लेना चाहता था। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों के लोग भी आस्था के इस प्रतीक में शामिल होकर भगवान राम के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था का प्रदर्शन किया। जन-जन के राम और लोक मर्यादा के प्रति भगवान राम के विराट अस्तित्व और भारतीय सनातन संस्कृति के अस्तित्व के प्रति के अवसर पर हर कोई भगवान को अपने-अपने तरीके से पूजते हुए दिखाई दे रहा था।

दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार सांसद लालू पटेल 19 अप्रैल को दीव में करेंगे नामांकन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 अप्रैल। दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार सांसद लालू पटेल 19 अप्रैल 2024 को दीव में नामांकन करेंगे। भाजपा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार सांसद लालू पटेल 19 अप्रैल 2024 को दीव में अपनी उम्मीदवारी करेंगे। सुबह 10 बजे दीव बस स्टैंड से रैली निकालकर दीव कलेक्टर ऑफिस नामांकन दाखिल करने पहुंचेंगे। इस दौरान भाजपा के पदाधिकारियों एवं समाज के अग्रणियों के साथ-साथ लालू पटेल के समर्थक मौजूद रहेंगे।

खारीवाड मिटनावाड के श्री राम मंदिर में मनाई गई भव्य रामनवमी

■ परंपरा निभाते हुए शौकत मिठाणी कार्यक्रम में हुए शामिल, श्री राम की उतारी आरती

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 अप्रैल। खारीवाड मिटनावाड के श्री राम मंदिर में धूमधाम से रामनवमी मनाई गई। इस अवसर पर भगवान श्री राम की शोभायात्रा भी निकाली गई थी। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर प्रभु श्री राम के दर्शन किये। परंपरा निभाते हुए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शौकत मिठाणी रामनवमी उत्सव में शामिल हुए और प्रभु श्री राम की आरती उतारी। इसके साथ शौकत मिठाणी ने श्री राम की पालखी यात्रा को भी कंधे पर उठाया।

रामनवमी के अवसर पर सांसद लालू पटेल विभिन्न जगहों पर निकाली गई पालखी यात्रा में हुए शामिल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 अप्रैल। दमण जिले में आज विभिन्न स्थानों पर भव्य तरीके से रामनवमी मनाई गई। इस अवसर पर राम भक्तों द्वारा पालखी यात्रा निकाली गई थी। दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी सांसद लालू पटेल ने विभिन्न जगहों पर निकाली गई पालखी यात्रा में शामिल होकर पालखी कंधे पर उठाया और प्रभु श्री राम के दर्शन किये। इस दौरान तीन बत्ती के जलाराम मंदिर, राज पैलेस के पास उत्तर भारतीय समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम, पटलारा के मार फलिया, खारीवाड मिटनावाड, परियारी रामकुंड एवं वडचौकी पर आयोजित रामनवमी कार्यक्रम में सांसद लालू पटेल शामिल हुए थे।

अब एक्स पर अकाउंट बनाने वालों को चुकानी होगी फीस

– एलन मस्क ने यूज़र्स से पैसा वसूलने का निकाला नया तरीका

नई दिल्ली। एलन मस्क के ट्विटर को खरीदने के बाद प्लैटफॉर्म पर कई बदलाव किए। एलन मस्क ने इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया था, साथ ही यूआई और ब्लू टिक को लेकर भी कई बदलाव किए। अब एलन मस्क ने फिर एक्स को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। बयान में कहा गया है कि एक्स जल्द अपने नए यूज़र्स से फीस लेना शुरू करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने कहा है कि एक्स से जुड़ने वाले नए यूज़र्स को एक्स पर लाइक करने, पोस्ट करने, रिप्लाई करने और यहां तक कि बुकमार्क करने के लिए 'छोटा' शुल्क देना होगा। अब तक एक्स प्लेटफॉर्म यूज़र्स मुफ्त में इस्तेमाल कर रहे थे। रिपोर्ट से पता चलता है कि मस्क ने ये फैसला बॉट से होने वाली दिक्कतों को खत्म करने के लिए किया है। एक्स की वेबसाइट पर बदलाव के बारे में पोस्ट करने वाले एक एक्स अकाउंट यूज़र के जवाब में, मस्क ने कहा कि नए अकाउंट पर एक छोटा सा शुल्क वसूलना 'बॉटस के हमले' को रोकने का एकमात्र तरीका था। कैप्चा जैसे टूल का जिक्र करते हुए एलन मस्क ने कहा कि मौजूदा एआई क्या आप एक बॉट हैं को आसानी से पास कर सकते हैं। दूसरे यूज़र्स को जवाब देते हुए मस्क ने कहा कि नए अकाउंट क्रिएट करने के तीन महीने बाद बिना शुल्क चुकाए पोस्ट किए जा सकेंगे। फिलहाल इस बारे में भी कोई डिटेल नहीं मिली है कि ये पॉलिसी कब लागू होगी और नए यूज़र्स को कितना शुल्क देना पड़ेगा। बता दें कि हाल ही में एक्स कॉर्प ने 26 फरवरी से 25 मार्च के बीच भारत में रिकॉर्ड 2,12,627 एक्स अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया था जो ज्यादातर बाल यौन शोषण और गैर–सहमति नग्नता को बढ़ावा देने के लिए थे। माइक्रो–ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने देश में अपने प्लेटफॉर्म पर आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 1,235 खातों को भी हटा दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल...समलैंगिक समुदाय की समस्या को लेकर समिति गठित

नई दिल्ली। केंद्र ने समलैंगिक समुदाय के मुद्दों पर गौर करने के लिए कैबिनेट सचिव की अगुवाई में एक समिति गठित की है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष 17 अक्टूबर को केंद्र से समलैंगिक समुदाय के मुद्दों पर गौर करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित करने को कहा था जिसके अनुपालन में यह समिति गठित की गई है। अधिसूचना के अनुसार, समिति समुदाय से जुड़े मुद्दों को देखने तथा केन्द्र और राज्य सरकार को इससे संबंधित कदमों के बारे में सुझाव देगी जिससे समलैंगिक समुदाय को वस्तुओं और सेवाओं तक बिना किसी भेदभाव तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। यह समिति उठाए जाने वाले कदमों की भी जांच करेगी ताकि समलैंगिक समुदाय को हिंसा, उत्पीड़न आदि के खतरे का सामना न करना पड़े। केंद्रीय गृह सचिव, विधायी सचिव, स्वास्थ्य सचिव, महिला एवं बाल विकास सचिव और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव इस समिति के सदस्य हैं। अधिसूचना के अनुसार, समिति जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों तथा अन्य अधिकारियों की भी मदद ले सकती है।

छात्रों के बीच आए दिन मारपीट के चलते नोएडा पुलिस ने चलाया अभियान

-अवैध हुक्का बार, स्नूकर को किया बंद, छात्रों का कराया जा रहा सत्यापन

नोएडा। नोएडा की एमिटी यूनिवर्सिटी में आए दिन छात्रों के बीच मारपीट और बवाल के वीडियो वायरल होते रहते हैं, जिसके चलते पुलिस पर सवाल खड़े होते हैं। यूनिवर्सिटी के आसपास अवैध तरीके से ढाबे हुक्का बार स्नूकर चल रहे थे, बाहरी युवा यहां पर आकर मौज–मस्ती करते थे उनके बवाल और मारपीट के वीडियो सामने आते थे। नोएडा पुलिस ने अवैध रूप से चल रहे सभी ठिकानों को बंद कर दिया है और पीजी में रह रहे सभी छात्रों का सत्यापन कराया जा रहा है। यह अभियान इसी तरह जारी रहेगा और पुलिस लगातार चेकिंग करती रहेगी। नोएडा के एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया नोएडा के सेक्टर–126 थाना इलाके में पड़ने वाली एमिटी यूनिवर्सिटी के आसपास के इलाकों में बने हुक्का बार, स्नूकर प्लेस, ढाबों और अन्य दुकानों के देर रात तक चलने के कारण आम लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसको देखते हुए नोएडा पुलिस ने अभियान चलाकर नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों का चालान काटा। साथ ही, पीजी में रह रहे स्टूडेंट्स और अन्य लोगों का सत्यापन भी करवाया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 16 अप्रैल को अभियान में गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से मिले निर्देश पर सेक्टर-126 क्षेत्र के अंतर्गत निजी यूनिवर्सिटी के आस–पास विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 278 गाड़ियों के चालान व 16 गाड़ियों को उठवाया गया। पुलिस टीम पेट्रोलिंग करते हुए संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की तलाशी ले रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्यवाही की सराहना की है।

चुनाव आयोग को मिली 200 शिकायतें, 169 का किया निराकरण

नई दिल्ली। आचार संहिता के बाद से एक महीने में केंद्रीय निर्वाचन आयोग को 200 शिकायतें मिली। इनमें से 169 का निपटारा कर दिया गया है। आम चुनाव का ऐलान होने के साथ पूरे देश में 16 मार्च को चुनाव आचार संहिता लागू हो गई थी। पिछले महीने सात राजनीतिक दलों के 18 जनप्रतिनिधियों ने चुनाव आयुक्त से मुलाकात की थी और अपनी शिकायतें दर्ज कराई थीं। इसी प्रकार अनेक राज्यों में भी अनेक लोग शिकायतें लेकर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पहुंचे। आयोग के पास आईं 200 शिकायतों में से 169 में सुनवाई पूरी कर निपटारा कर दिया गया। चुनाव आयोग को भाजपा नेताओं द्वारा 51 शिकायतें दर्ज कराई गईं। इनमें 18 का निपटारा कर दिया गया। इसी प्रकार कांग्रेस की ओर से 59 शिकायतें मिली थीं। आयोग ने इनमें 51 को निपटारा कर दिया है। इसके अलावा 90 शिकायतें अन्य राजनीतिक दलों की आईं, जिनमें से 80 पर कार्रवाई की गई है।

जमुई प्रत्याशी का छलका दर्द, बिहारी लोग ही हमें बाहरी कहते हैं

-90 के दशक का पलायन दूसरा सबसे बड़ा पलायन था

जमुई। अरुण कुमार भारती लोजपा के सुप्रीमो चिराग पासवान के बहनोई हैं और जमुई सीट से चुनाव मैदान में हैं। अरुण कुमार इससे पहले सक्रिय राजनीति में नहीं थे, पहली बार वह जमुई से चुनावी मैदान में कूदे हैं। भारती ने बिहार के विकास को लेकर कई बड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में 90 के दशक में जो पलायन हुआ, वह भारत–पाकिस्तान विभाजन के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा पलायन था। आज लोग मुझ पर बाहरी होने का आरोप लगा रहे हैं। अरुण कुमार ने कहा कि भारत का संविधान यह आजादी देता है कि हम कहीं से चुनाव लड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि काम, रोजगार, शिक्षा जैसी जरूरी चीजों की कमी के कारण बिहार से जिन लोगों का पलायन हुआ, उनसे माफी मांगनी चाहिए। कोई सिंगापुर से आकर सारण से पैराशूट से टिकट पा जाता है, तब वह बाहरी नहीं होता और जब हम बाहर से पढ़ाई कर वापस बिहार आकर काम करना चाहते हैं तो लोग हमें बाहरी कहते हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने बिहारी को बाहरी बनाया, सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए, क्योंकि वे लोग पहले बिहार को बाहरी बनाते हैं फिर घर आने पर उन्हें भी बाहरी कहते हैं। भारती ने बताया कि उन्होंने बिरला पब्लिक स्कूल से इंटरमीडिएट की पढ़ाई की है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज आफ कामर्स से ग्रेजुएशन किया, जबकि यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैंड) की यूनिवर्सिटी आफ स्ट्रैटक्लैड में एमबीए की पढ़ाई की है। अरुण कुमार भारती इसके पहले भी वे चिराग पासवान की पार्टी के लिए काम करते रहे हैं। भारती जब से चुनाव मैदान में उतरे हैं, तब से उन पर बाहरी होने के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ था। दो अलग–अलग देश बने थे। उस वक्त जो पलायन हुआ था उसके बाद बिहार से लोगों का पलायन दूसरे नंबर पर आता है जो 90 के दशक में हुआ था। बिहार से जो लोग पलायन करके अन्य राज्यों में जाते थे तो उनके सामने दो समस्याएं खड़ी हो जाती थी। यहां से लोग पलायन कर बाहर चले गए, क्योंकि उन्हें यहां उचित माहौल नहीं मिल रहा था। तब हमें बाहर में बिहारी कहा गया और जब हमने पढ़–लिखकर वापस बिहार आकर काम करने की कोशिश करते हैं तो हमें बाहरी कहा जाता है। उन्होंने सवाल किया कि बिहारी के साथ यह दोहरा मापदंड क्यों?

गया से मांझी को जीतने भाजपा और जेडीयू को झोंकनी होगी ताकत

पीएम ने हर बूथ जीतने का किया आव्हान

पटना (एजेंसी)। बिहार की गया (आरक्षित) सीट पर एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है। दोनों के दिग्गज नेता अपने प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए गया का दौरा कर चुके हैं। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रत्याशी जीतन राम मांझी को जिताने के लिए बहुत कुछ कह गए हैं।

अहम सवाल है कि मांझी और कुमार सर्वजीत अपने जिले से लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी हैं। अपने जिले, इस लिहाज से कि यहीं से विधायक हैं। इसमें कुमार सर्वजीत का पलड़ा भारी है, क्योंकि वे बोधगया के राजद विधायक हैं। यह विधानसभा क्षेत्र गया लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। दूसरी तरफ, मांझी इमामगंज से विधायक हैं। इमामगंज विधानसभा औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंदर है।

बिहार जातिगत जनगणना करा चुका है, हालांकि जनगणना के आंकड़े जिलावार नहीं जारी किए गए। इसलिए, सारी राजनीति जातियों की अनुमानित संख्या के आधार पर है। इस अनुमान के अनुसार सबसे बड़ी आबादी भुइयां (महादलित) की है। इससे मांझी आते हैं। मौजूदा जदयू सांसद विजय मांझी भी इसी जाति से हैं। वह विरोध में नहीं, इसका फायदा मांझी को मिल रहा है। संख्या के हिसाब से उसके बाद दुसाध, यानी पासवान हैं। इससे कुमार सर्वजीत हैं। मतलब, पीठ पर ही हैं। तीसरे नंबर पर राजपूतों की संख्या है। फिर मुस्लिम और पांचवें नंबर पर वैश्य-बनिया को नंबर आता हैं। मतलब, अपनी जाति और भाजपा के पारंपरिक वोटरों की बड़ी आबादी के हिसाब से मांझी फायदे में दिखते हैं। कांग्रेस प्रत्याशी कुमार सर्वजीत की जाति वहीं है, जो चिराग पासवान की है। राजनैतिक पंड़ितों का कहना हैं चिराग और पशुपति कुमार पारस ने मिलकर मेहनत कर दी होती, तब गारंटी की संभावना बन सकती थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को अपने समर्थकों से बार-बार अपील की कि वह हर बूथ पर उन्हें जिताएं। उन्हें यह क्यों कहना पड़ा? इस समझना बहुत मुश्किल नहीं है। इस सीट पर हम-से प्रत्याशी उतरे हैं और इस पार्टी के पास कार्यकर्ताओं का वैसा नेटवर्क नहीं है। एनडीए में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाईटेड के पास ही नेटवर्क है। भाजपा को चूंकि बिहार की 40 में से 40 सीटों पर जीत की गारंटी चाहिए, इसलिए उसे कैडर की ताकत झोंकनी होगी।

शाह ने रामनवमी पर किए 400 साल पुराने मंदिर में राम के दर्शन

छिंदवाड़ा। लोकसभा चुनाव का प्रचार करने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छिंदवाड़ा पहुंचे वहां उन्होंने रोड शो किया था और बुधवार को अमित शाह ने रामनवमी के मौके पर यहां के ऐतिहासिक राम मंदिर में दर्शन किए। वहीं उन्होंने पार्टी के नेताओं को जीत का मंत्र भी दिया। केंद्रीय मंत्री बुधवार को रामनवमी के अवसर पर छिंदवाड़ा में ऊंट खाना स्थित राम मंदिर पहुंचे और दर्शन किए। यह ऐतिहासिक और लगभग 400 साल पुराना मंदिर है और इसका शंकराचार्य से करीबी नाता रहा है। बता दे कि केंद्रीय गृहमंत्री मंगलवार शाम छिंदवाड़ा पहुंचे थे। उनका यहां ऐतिहासिक रोड शो हुआ। शाह ने रात्रि विश्राम छिंदवाड़ा में भी किया था। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अपने एक्स पर भी लिखा कि छिंदवाड़ा रोड शो का जोश और उत्साह भाजपा की प्रचंड जीत का संदेश है। इस अपार स्नेह और समर्थन के लिए छिंदवाड़ा की जनता का मैं हृदय से आभार मानता हूं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि रोड शो के बाद अमित शाह ने मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश के चुनाव प्रभारी महेंद्र सिंह, क्लस्टर प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय के साथ बंद कमरे में काफी देर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने छिंदवाड़ा की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के साथ कुछ हिदायत दी और नई रणनीति पर काम करने की भी बात कही। सूत्रों का कहना है कि शाह ने नेताओं से किसी भी कीमत पर छिंदवाड़ा सीट जीतने की बात कही है।

पाकिस्तान और चीन के पास भी...परमाणु हथियारों को नष्ट करने के माकपा के वादे पर राजनाथ सिंह बोले- देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ से कम नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सार्वजनिक सभा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता चाहता हूं कि 2047 आते-आते हमारा ये भारत दुनिया की विकसित देश के रूप में खड़ा हो जाएगा। पीएम मोदी ने अपने कार्यकाल में 4 करोड़ पक्के मकान यहां के गरीबों को देने का काम किया है और 75 साल से अधिक के बुजुर्गों को हम 5 लाख तक मुफ्त में इलाज करवाएंगे।

यूडीएफ और एलडीएफ ने अपने लगातार शासन में केरल के लोगों को लूटा है। अब वे केंद्र में एक संयुक्त 'मनी हाइस्ट' की योजना बना रहे हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारत की जनता ने ठान लिया है 'अबकी बार चार सौ पार'। रुस-यूक्रेन युद्ध के दौरान 22000 से अधिक स्टूडेंट्स को यूक्रेन से निकाला गया और अभी कुछ दिन पहले हैती से भी भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया है। आप जानते हैं, हमारी सरकार ने युद्ध के बीच फंसी हमारी नर्स सिस्टर्स को भारत वापस लेकर आए थे इराक से। सूडान में जब सिविल वॉर छिड़ा तब बहुत मुश्किल हालात में भारतीयों को निकाला गया।

कांग्रेस पार्टी अभी तक 19वीं सेंचुरी की सोच के साथ चल रही है। एलडीएफ भी एक आउटडेटेड ऑडियोलाजी है पर डिपेंडेंट है। जहां से कम्युनिस्म का ओरिजिन हुआ वहाँ से कॉम्युनिस्म ख़त्म हो गया। इन दोनों पार्टियों का कल्चर भी केरला की ग्रेट कल्चर से भी मेल नहीं खाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के चुनाव घोषणापत्र पर सवाल उठाया, जिसमें भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने का वादा किया गया था और उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी से स्पष्टता भी मांगी।

मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव की मोदी सरकार ने खुलकर तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री द्वय डॉ मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव के कामों की मोदी सरकार ने जमकर तारीफ की है। वो भी देश की सबसे बड़ी अदालत के सामने। सुप्रीम कोर्ट में देश के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव और उनके तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह की प्रशंसा की है। मोदी सरकार ने देश की सबसे बड़ी अदालत में 1991 में लाइसेंस राज को खत्म करने और आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने के लिए दोनों ही दिग्गज कांग्रेसी नेताओं की प्रशंसा की है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने हाल ही में नरसिम्हा राव को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्नसे भी नवाजा है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ जजों की पीठ को बताया कि अधिनियम के अनुसार कई महत्वपूर्ण उद्योगों के विकास और विनियमन तथा पूरे देश पर प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को केंद्र के नियंत्रण में लाना आवश्यक है।,कोविड-19 का उदाहरण देते हुए मेहता ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय हित में अपनी नियामक शक्ति का उपयोग कर सकती है, जैसा कि उसने सैनिटाइजर के निर्माण के लिए अधिसूचित मूल्य पर इथेनॉल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश जारी करके किया था। नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों के बाद कंपनी कानून और एमआरटीपी अधिनियम सहित कई कानूनों को उदार बनाया गया। इनके बाद अगले तीन दशकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतृत्व वाली सरकारों ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 में संशोधन करना आवश्यक नहीं समझा। वह पीठ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें जस्टिस हृषिकेश रॉय, एएस ओका, बीवी नागरत्ना, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुइयां, सतीश सी शर्मा और ऑगस्टीन जी मसीह भी शामिल थे। पीठ ने आईडीआरए, 1951 की तीखी आलोचना करते हुए इसे पुरातनपंथी बताया था। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन, विनिर्माण, आपूर्ति और विनियमन के संबंध में केंद्र और राज्यों की शक्तियों के अधिव्याप्त होने के मुद्दे की पड़ताल कर रही है। सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा राज्यों के खिलाफ फैसला सुनाए जाने के बाद पीठ के समक्ष कई याचिकाएं आईं।वर्ष 1997 में सात न्यायाधीशों की पीठ द्वारा यह निर्णय दिए जाने के बाद कि केंद्र के पास औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन पर नियामक शक्ति होगी, साल 2010 में यह मामला नौ न्यायाधीशों की पीठ के पास भेजा गया था।

दिग्विजय का शपथ पत्र, उनकी कमाई हुई कम... पत्नी की कमाई में बंपर इजाफा

राजगढ़ (एजेंसी)। दिग्विजय सिंह ने जानकारी दी है कि उन्हें विधायक और सांसद की पेंशन मिलती है। इसके अलावा भवन और दुकान का किराया आता है। साथ ही ब्याज और कृषि आय से भी उन्हें कमाई होती है। राजगढ़ लोकसभा सीट से दिग्विजय ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके नामांकन के साथ दिए गए शपथ पत्र उल्लेख हैं, कि उनकी आमदनी बीते 5 सालों में आधी के लगभग रह गई है, जबकि उनकी पत्नी की आमदनी में इजाफा हुआ है। राजगढ़ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने दुर्गा अष्टमी पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया। दिग्विजय के द्वारा दिए गए शपथ पत्र में बताया गया है साल 2018-19 में उनकी आमदनी 39 लाख 49,000 के आसपास थी जो 2019-20 में घटकर 28 लाख 50 हजार रह गई। इसके बाद भी आमदनी घटने का सिलसिला जारी रहा। साल 2020-21 में 18 लाख 78000, साल 2021-22 में 20 लाख 11 हजार और साल 2022-23 में 22 लाख 33,000 उनकी आमदनी रह गई, जबकि उनकी पत्नी की आमदनी में इजाफा हो रहा है। उनकी पत्नी अमृता राय की आमदनी साल 2018-19 में 5 लाख 72000 जाहिर की गई है जो कि साल 2019-20 बढ़कर 31 लाख 17 हजार हो गई। राशि बढ़ने का सिलसिला साल 2020-21 में भी जारी रहा। इस वित्तीय वर्ष उनकी आमदनी 43 लाख 88000 है, जबकि साल 2021-22 में 65 लाख 90,000 तथा कृषि से 4,99,000 की आय है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में दिग्विजय की पत्नी की आमदनी सर्वाधिक 88 लाख 14,000 तथा कृषि से 9,95,000 होना बताया गया है। इस प्रकार दिग्विजय की आमदनी लगातार घटती गई और उनकी पत्नी की आमदनी 5 सालों में 20 गुना बढ़ गई है। इसके अलावा दिग्विजय और उनके परिवार के सदस्यों के पास भवन, कृषि भूमि, मकान आदि करोड़ों रुपए की अचल संपत्ति भी है। दिग्विजय पर बैंक का 4200 कर्ज है, जबकि उनकी पत्नी अमृता राय पर 86 लाख रुपए से ज्यादा का कर्ज है। दूसरे कर्ज का भी उल्लेख शपथ पत्र में किया गया है, जिसमें एक करोड़ 17 लाख 37,000 की देनदारी दिग्विजय सिंह की है।

वाई प्लस सुरक्षा के बावजूद फायरिंग कर भागे आरोपी, सुरक्षा पर उठे सवाल

–मुंबई पुलिस अधिकारियों पर बरसे बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार और लोगों के भाईजान सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग को लेकर पुलिस प्रशासन, बॉलीवुड और फैन्स सभी चिंतित हैं। वहीं पुलिस भी इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाना चाहती है। पुलिस ने इस मामले में अभी तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस बीच फायरिंग मामले में बड़ी जानकारी हाथ लगी है।

सूत्रों का कहना है कि गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग की घटना के बाद सलमान खान बहुत नाराज हुए थे। सलमान की परिवार को लेकर चिंता बढ़ गई थी। फायरिंग को लेकर वह मुंबई पुलिस अधिकारियों पर बरस पड़े और कहा कि इतनी सुरक्षा के बाद भी कोई घर से बाहर फायरिंग कर गया तो फिर इस सुरक्षा का क्या फायदा? बता दें कि इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों ने बताया कि फायरिंग की घटना के बाद जब मुंबई पुलिस के अधिकारी बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर पहुंचे तो उस समय सलमान खान बहुत गुस्से में थे और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित भी थे। सलमान ने मुंबई पुलिस द्वारा मुहैया कराई गई सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के सामने ही सवाल उठा दिया था। सलमान ने कहा था कि इतनी सुरक्षा होने के बाद भी फायरिंग हुई, तो इस सुरक्षा का क्या मतलब है। सलमान ने कहा कि वाई प्लस की सुरक्षा के बाद भी फायरिंग करने वाले वारदात को अंजाम देकर भाग गए और उनकी सुरक्षा में तैनात जवानों ने कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की । फिर ऐसी सुरक्षा का क्या फायदा।

बता दें कि इस मामले में पुलिस ने जानकारी दी है कि सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने वाले गिरफ्तार दो लोगों ने बताया कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कहने पर यह काम किया था और अब तक की गई जांच से पता चला है कि उन्होंने 14 अप्रैल को घटना को अंजाम देने से पहले सलमान खान के घर के आसपास की तीन बार 'रेकी' की थी। गिरफ्तार विक्की गुप्ता और सागर पाल ने बताया कि पैसे के लिए उन्होंने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि अब तक की जांच में पता चला है कि इन दो लोगों को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने गोलीबारी करने का काम दिया था।

आजादी के बाद पहली बार बरेली मंडल की किसी भी सीट पर नहीं लड़ रही कांग्रेस

–एक समय कांग्रेस पार्टी का गढ़ रहा

बरेली (एजेंसी)। बरेली मंडल की लोकसभा सीटों के चुनाव में इस बार ईवीएम पर हाथ का चिह्न नहीं होगा। आजादी के बाद यह पहला मौका है जब कांग्रेस प्रत्यक्ष तौर पर इन सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रही है। गठबंधन की सियासत में पहली बार बरेली मंडल की पांच सीटों सहित लखीमपुर खीरी व धौरहरा लोकसभा पर ईवीएम में हाथ का सिंबल नहीं होगा। बरेली मंडल की पांचों और खीरी की दो लोकसभा सीटों पर गठबंधन के तहत सपा के उम्मीदवार मैदान में हैं। इसके बाद यहां सपा के साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटे हैं। बरेली मंडल की सभी लोकसभा सीट पर आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस का कब्जा रहा था। वर्ष 2009 में अंतिम बार बरेली और धौरहरा सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद कांग्रेस का यहां वजूद खत्म होता चला गया है। बदायूं सीट पर कांग्रेस ने पांच बार चुनाव जीतकर सबसे ज्यादा समय तक कब्जा जमाने का रिकॉर्ड भी बनाया। आजादी के बाद हुए चुनाव में पार्टी लगातार दो बार जीती। यहां वर्ष 1984 में अंतिम बार कांग्रेस जीती थी। इसके बाद में सांसद सलीम इकबाल शेरवानी ने अगला चुनाव समाजवादी पार्टी के सिंबल पर लड़ा था। बरेली लोकसभा सीट पर आजादी के बाद कांग्रेस ने आठ बार जीत दर्ज की। यहां कांग्रेस के सतीश चंद्र पहले सांसद बने और दो कार्यकाल पूरे किए। वर्ष 1971 में कांग्रेस ने यहां वापसी की, मगर इमजरेंसी के बाद बदले हालात में सीट जनता पाटी के खाते में चली गई। वर्ष 1981 और 1984 में कांग्रेस की बेगम आबिदा अहमद दिल्ली पहुंची थीं। यहां अंतिम बार वर्ष 2009 में कांग्रेस के प्रवीण सिंह ऐरन ने जीत दर्ज की थी। आंवला लोकसभा सीट पर कांग्रेस तीन बार जीत दर्ज करने में सफल रही। यहां पहली बार वर्ष 1967 में सावित्री देवी जीती थीं और अगला चुनाव भी उन्होंने ही जीता था। वर्ष 1984 में अंतिम बार यहां कल्याण सिंह सोलंकी ने कांग्रेस को जीत दिलाई थी। इसके बाद कांग्रेस इस सीट पर जीत दर्ज नहीं कर सकी। वहीं पीलीभीत सीट पर कांग्रेस महज चार बार चुनाव जीतने में सफल रही है। यहां पहला चुनाव कांग्रेस के मुकुंद लाल अग्रवाल ने जीता था। इसके बाद वर्ष 1971, 1980, 1984 में भी पार्टी जीत हासिल करने में सफल रही। हालांकि वर्ष 1989 में मेनका गांधी ने यह सीट कांग्रेस से छीन ली थी। तब से अब तक सपा को इस सीट पर जीत नसीब नहीं हो सकी। पीलीभीत से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के पिता जितेंद्र प्रसाद यहां से चार बार सांसद रहे और जितिन प्रसाद भी वर्ष 2004 में यहां से जीते थे। यहीं इस सीट पर कांग्रेस की अंतिम जीत थी। लखीमपुर खीरी लोकसभा सीट पर सात बार कांग्रेस को सफलता मिली। पार्टी ने दो बार हैट्रिक लगाई है। वर्ष 1962 में देश में हुए दूसरे आम चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की और इसके बाद हैट्रिक लगाई। वर्ष 1980, 84 और 89 में ऊषा वर्मा ने कांग्रेस की दूसरी बार हैट्रिक पूरी की। वर्ष 2009 में जफर अली नकवी के द्वारा कांग्रेस ने यहां अपनी अंतिम जीत दर्ज की थी।

गुलाम नबी आजाद ने किया लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान, पार्टी ने अनंतनाग–राजौरी सीट से बनाया था उम्मीदवार

नई दिल्ली। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद ने 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। इससे पहले, पूर्व कांग्रेस नेता को डीपीएपी ने अनंतनाग–राजौरी संसदीय क्षेत्र से नामांकित किया था। गुलाम नबी आज़ाद ने बुधवार को अनंतनाग में एक बैठक में यह घोषणा की। जम्मू–कश्मीर के पूर्व सीएम और पूर्व कांग्रेसी गुलाम नबी आजाद खुद की पार्टी बनाकर चुनावी मैदान में हैं। उधमपुर में जीएम सरूरी लड़ रहे हैं। आजाद को सीएम रहने के दौरान जम्मू में कराए गए कामों के लिए पसंद किया जाता है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने कठुआ बलात्कारियों का समर्थन करने वाले लाल सिंह का समर्थन करने के लिए राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला को आड़े हाथों लिया। वे बीजेपी से भी बदतर हैं। राहुल गांधी ने एक बार कहा था कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी हम नहीं जाएंगे।

अगर मोदी इस बार चुनाव में जीते तो लोकतंत्र नहीं बचेगा, ममता बनर्जी का बीजेपी पर तीखा हमला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि रामनवमी के मौके पर राज्य में दंगे भड़काने की साजिश रची जा रही है। पिछले साल के जश्न में राज्य में हिंसा हुई थी, जिससे भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच बड़े पैमाने पर टकराव हुआ था। बनर्जी ने एक चुनावी रैली में आरोप लगाया, वे आज दंगे में शामिल होंगे। दंगा होने की संभावना है। और वे दंगा करके और वोट लूटकर (चुनाव) जीतेंगे। इससे पहले आज, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए समारोह के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की। हालाँकि, भाजपा ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री भारतीय और सनातनी संस्कृति को अपमानित कर रही हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर शांति बनाए रखने की अपील की है, यह रामनवमी के त्योहार का अपमान है क्योंकि अन्य धार्मिक अवसरों पर आपने (ममता बनर्जी) शांति का संदेश दिया है, लेकिन यहां आप पूछ रहे हैं 'शांति बनाए रखें' शांति और समृद्धि का संदेश देने के बजाय, ऐसा करके आप भारतीय और सनातनी संस्कृति को अपमानित करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ने पूरे पश्चिम बंगाल में रामनवमी जुलूस निकाले। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने शहर के न्यू टाउन इलाके में ऐसे ही एक रामनवमी जुलूस में भाग लिया, जबकि टीएमसी मंत्री अरूप रॉय और पार्टी के हावड़ा लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार प्रसून बनर्जी हावड़ा शहर में जुलूस के साथ चले। इसी तरह के सैकड़ों छोटे और बड़े जुलूस, युवाओं के साथ 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए और भगवा झंडे और तलवारों की प्रतिकृतियों के साथ ढोल की उन्मादी धुनों के बीच पूरे राज्य में निकाले गए।

बिक्री में कमी के कारण टेस्ला के शेयरों में बढ़ी गिरावट जारी

मुंबई ।

एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयर में 2024 में जबरदस्त गिरावट दिख रही है। कंपनी के शेयर में गिरावट की वजह सेल्स ग्रोथ में कमी को माना जा रहा है, जिस वजह से हाल में कंपनी ने अपनी ग्लोबल वर्क फोर्स में करीब 10 प्रतिशत की कटौती की है। अमेरिकी शेयर में लिस्टेड टेस्ला के स्टॉक में कारोबारी सत्र में 2.7 प्रतिशत की गिरावट हुई और यह फिसलकर 157.11 डॉलर पर बंद हुआ। इस कारण टेस्ला की मार्केट कैप 500 अरब डॉलर से नीचे चली गई। 2024 की शुरुआत से अब तक टेस्ला के शेयर में 37 प्रतिशत की गिरावट हुई है। 2024 में एसएंडपी 500 इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में ये दूसरे नंबर पर है। इस कारण शेयरधारकों की वेल्थ में 290 अरब डॉलर की गिरावट हुई है। रिपोर्ट में बताया गया कि टेस्ला के शेयर ने पिछले एक साल में इतनी कमजोर गिरावट नहीं दी है। इस महीने की शुरुआत में टेस्ला ने 2024 की पहली तिमाही के बिक्री के आंकड़े

पेश किए थे। इससे टेस्ला के ग्रोथ स्टोरी पर शंका के बादल छा गए हैं।

साथ ही अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी ने सस्ती ईवी बनाने के प्लान को रद्द कर दिया है। कंपनी फिलहाल रोबोटैक्सी पर फोकस करेगी। कंपनी अगस्त में पेश कर सकती है। हाल ही में चीनी कंपनी बीवाईडी टेस्ला को पछाड़ कर दुनिया की नंबर वन इलेक्ट्रिक कार कंपनी बन गई है। इस कारण कंपनी को ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कीमतों को घटाना पड़ रहा है।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नहीं हुआ अधिक बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच ही देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर हैं और इनमें ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। सबसे कम कीमत पर पेट्रोल पोर्टब्लेयर में 82.42 रुपये और डीजल 78.01 रुपये लीटर बिक रहा है। हालांकि, देश में ईंधन की कीमतें स्थिर हैं और इनमें ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर पर है। मेरठ में पेट्रोल 94.43 और डीजल 87.49 रुपये लीटर जबकि जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये पर है।दूसरी ओर महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये

प्रति लीटर है।वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के पार है, वहीं इसके 100 डॉलर तक जाने की संभावना है। आज ब्रेंट क्रूड 90.03 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 85.35 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा था।

जी इंटरटेनमेंट का शेयर एफएंडओ से बाहर, 6 महीने में 42 फीसदी से ज्यादा गिरे शेयर

नई दिल्ली।

जी इंटरटेनमेंट का शेयर बीते कुछ दिनों से काफी चर्चा में हैं। जबसे जी इंटरटेनमेंट और सोनी का सफलतापूर्वक मर्जर नहीं हो पाया तब से ही कंपनी चर्चा में बनी हुई है। एनएसई की ओर से कहा गया है कि ज़ी एंटरटेनमेंट के लिए नए एक्सपायरी महीनों के कॉन्ट्रैक्ट मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट महीनों की एक्सपायरी पर जारी नहीं किए जाएंगे। ज़ी को सेबी सर्कुलर के आधार एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखा गया है। इसके तहत अब ज़ी के शेयर 28 जून 2024 से ट्रेड के लिए कोई कॉन्ट्रैक्ट मौजूद नहीं होगा। हालांकि अप्रैल, मई और जून 2024 में ज़ी के मौजूदा बिना खत्म हुए कॉन्ट्रैक्ट ट्रेड के लिए अवेलेबल होंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने जी इंटरटेनमेंट के एफएंडओ सौदों पर रोक लगा दी है। एक्सचेंज ने कहा कि वह मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट की एक्सपायरी के बाद कंपनी के लिए नए एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट जारी करना बंद कर देगा।सोनी के मर्जर की खबरों के चलते बीते काफी समय से कंपनी के शेयर में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। कंपनी के शेयर में काफी गिरावट भी दर्ज की गई है। इस साल यानी 2024 की बात करें तो शेयर की कीमत में 48 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। पिछले 6 महीने में शेयर 42फीसदी से ज्यादा लुढ़का है। नैशनल कंपनी लॉ अपील ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने सोमवार को कहा कि ज़ी-सोनी के विलय को चुनौती देने वाली याचिका पर वह 17 मई को सुनवाई करेगा। ऐक्सिस फाइनैंस और आईडीबीआई ने विलय को एनसीएलएटी में चुनौती दी है। सुनवाई से पहले आईडीबीआई और ऐक्सिस फाइनैंस एनसीएलटी के फैसले का इंतजार करना चाहती हैं। उन्होंने अपील ट्रिब्यूनल से अनुरोध किया है कि एनसीएलटी के मुंबई पीठ में विलय को आगे बढ़ाने वाली ज़ी की याचिका पर फैसले तक इंतजार किया जाना चाहिए। एनसीएलटी के मुंबई पीठ में दाखिल याचिका लंबित है और इस पर 25 अप्रैल को सुनवाई हो सकती है। आईडीबीआई बैंक की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि एनसीएलटी में ज़ी की याचिका पर होने वाला फैसले का इस पर असर होगा क्योंकि यह विलय का भविष्य तय करेगा।

वोडाफोन आइडिया ने एंकर निवेशकों से जुटाए 5,400 करोड़ रुपये

नई दिल्ली।

वोडाफोन आइडिया ने 5,400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए एंकर निवेशकों को 11 रुपये प्रति शेयर (प्राइस बैंड के टॉप-एंड) पर 4.9 बिलियन शेयर अलॉट किए हैं। एंकर कैटेगरी में कुल 74 अलग-अलग स्कीम्स में शेयर अलॉट किए गए। अमेरिका की जीक्यूजी पार्टनर्स ने 1,347 करोड़ रुपये मूल्य का सब्सक्रिप्शन लिया जो कि एंकर कैटेगरी का करीब एक चौथाई हिस्सा है। वोडाफोन आइडिया की 'पूंजी जुटाने वाली समिति की मंगलवार रात 11:45 बजे खत्म हुई बैठक के बाद अलॉटमेंट का फैसला किया गया। फॉलो ऑन पब्लिक ऑफरिंग खुलने से एक दिन पहले एंकर अलॉटमेंट किया जाता है। क्योंकि बुधवार को बाजार में छुट्टी है, इसलिए वीआईएल का 18,000 करोड़ रुपये का एफपीओ, जो कि भारत का अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ है, गुरुवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और सोमवार को बंद होगा। एंकर अलॉटमेंट पेटीएम (8,325 करोड़ रुपये) और एलआईसी (5,627 करोड़ रुपये) के बाद अब तक का तीसरा सबसे बड़ा अलॉटमेंट था। कुल एंकर बुक में से 16.2 प्रतिशत कुल 11 स्कीम्स के माध्यम से पांच घरेलू म्यूचुअल फंड को आवंटित किया गया था।

बाजार के एक्सपर्ट्स का कहना है कि एंकर कैटेगरी में अच्छी डिमांड से संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनी के एफपीओ के प्रति सेंटिमेंट बदलेगा। वीआईएल ने एफपीओ के लिए मूल्य-बैंड 10-11 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया है। वीआईएल के शेयर पिछली बार 12.9 रुपये पर बंद हुए, जो पिछले बंद के मुकाबले 1.9 फीसदी कम है। मूल्य बैंड का ऊपरी सिरा मौजूदा स्टॉक मूल्य से लगभग 15 प्रतिशत नीचे है। 18,000 करोड़ रुपये में से, वीआईएल ने मौजूदा और नई 4जी साइटों की क्षमता बढ़ाने और नई 5जी साइटें स्थापित करने पर 12,750 करोड़ रुपये खर्च करने का प्लान है। दूरसंचार विभाग और जीएसटी विभाग को स्पेक्ट्रम के लिए स्थगित भुगतान पर लगभग 2,175 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

एप्पल से दुनिया की नंबर वन कंपनी होने का ताज छिना

सैमसंग बनी दुनिया की नंबर वन कंपनी

नई दिल्ली । जानीमानी कंपनी एप्पल से दुनिया नंबर वन मोबाइल कंपनी होने का ताज छिन गया है। यह स्थान अब सैमसंग कंपनी ने हासिल कर लिया है। एप्पल के स्मार्टफोन शिपमेंट में 2024 की पहली तिमाही में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई है। आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच वैश्विक स्तर पर मोबाइल का शिपमेंट 7.8 प्रतिशत बढ़कर 28.9 करोड़ हो गया है। वहीं, कोरियाई कंपनी सैमसंग का मार्केट शेयर इसमें 20.8 प्रतिशत का रहा है, जो कि एपल से ज्यादा है। एपल के आईफोन की बिक्री में दिसंबर तिमाही के जोरदार प्रदर्शन के बाद गिरावट देखने को मिली है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सैमसंग को पछाड़ कर एपल दुनिया की नंबर वन मोबाइल कंपनी बन गई थी लेकिन बीती तिमाही में कंपनी 17.3 प्रतिशत के मार्केट शेयर के बाद दोबारा से दूसरे नंबर पर आ गई है। चीनी मोबाइल ब्रांड शाओमी 2024 की पहली तिमाही में 14.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर कायम है। इस अवधि के दौरान 60 मिलियन से अधिक फोन शिप किए हैं।इस बीच एप्पल ने 50.1 मिलियन आईफोन की शिपिंग की, जो पिछले साल की समान अवधि की 55.4 मिलियन यूनिट से कम है। बता दें, एपल के मोबाइल के शिपमेंट में गिरावट चीनी सरकार उस निर्णय के बाद आई है, जब चीनी कंपनियों और सरकारी एजेंसियों में एपल के मोबाइल उपयोग को लिमिट कर दिया गया है। वहीं, अन्य चीनी ब्रांड हुआवेई जैसे चीनी ब्रांडों के मार्केट शेयर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है सैमसंग की ओर से साल की शुरुआत में अपना नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन लाइनअप - गैलेक्सी एस 24 सीरीज को लॉन्च किया था।

इलेक्ट्रिक स्कूटरों की 16,000 तक बढ़ी कीमतें

-एथर, बजाज, टीवीएस और विडा ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियों को दी जाने वाली सब्सिडी कम कर दी है। इस वजह से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों ने अपने वाहनों की कीमत बढ़ाना शुरू कर दी हैं। एथर, टीवीएस, विडा और बजाज समेत कई अन्य इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों ने कीमत में 16,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। हालांकि, ओला इलेक्ट्रिक ने कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा नहीं की है। फिलहाल, कंपनी फेस्टिवल ऑफर में अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर बेच रही है। ईएमपीएस के तहत सरकार ने 500 करोड़ रुपये की सब्सिडी का फंड तैयार किया है। इसमें इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा पर नई सब्सिडी निर्धारित की गई है। इसमें इलेक्ट्रिक 4-व्हीलर्स को शामिल किए जाने की फिलहाल जानकारी नहीं दी गई है। नई योजना के तहत इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के लिए सब्सिडी 22,500 रुपये से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है। वहीं, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा के लिए सब्सिडी 25,000 रुपये और अधिक बैटरी क्षमता वाले इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स के लिए 50,000 रुपये निर्धारित की गई है। बता दें कि 31 मार्च, 2024 को फेम-2 सब्सिडी स्कीम (फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स) को समाप्त हो गया है।

आईएमएफ ने सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का अनुमान 6.8 फीसदी किया

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024-25 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि का अनुमान 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया। उसका कहना है देशी मांग में मजबूती के कारण वृद्धि दर अधिक रहेगी। यह आंकड़ा मोदी सरकार के 7 फीसदी वृद्धि के अनुमान से बेशक कम है, मगर आईएमएफ के पिछले अनुमान से 30 आधार अंक ज्यादा है। आईएमएफ ने विश्व आर्थिक अनुमान पर अपनी नई अपडेट रिपोर्ट में कहा, 'देसी मांग में लगातार इजाफा होने और कामकाजी उम्र वाली आबादी बढ़ने के कारण भारत में 2024 (वित्त वर्ष 25) में 6.8 फीसदी और 2025 (वित्त वर्ष 26) में 6.5 फीसदी वृद्धि होने का अनुमान है।' आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत का जीडीपी वृद्धि अनुमान 7.8 फीसदी कर दिया है, जो जनवरी की उसकी रिपोर्ट में 6.7 फीसदी बताया गया था। उसे लगता है कि वित्त वर्ष 2026 में वृद्धि धीमी होकर 6.5 फीसदी रह जाएगी, जो जनवरी के अपडेट में दी गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2023-24 के दौरान जीडीपी की वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2022-23 में यह दर 7 फीसदी थी।

वेदांता लिमिटेड को 27.97 करोड़ रुपए का जीएसटी टैक्स का नोटिस

नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड को जीएसटी टैक्स का नोटिस मिला है। कंपनी ने बताया कि वेदांता को वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2020-21 की अवधि के लिए 27.97 करोड़ रुपए के जीएसटी के जुर्माने का आदेश मिला है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ये फाइन वित्त वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक के इनपुट टैक्स क्रेडिट रीकॉन्सिलेशंस से जुड़े विवाद से संबंधित है। कंपनी का कहना है कि वे इस विवाद से जुड़े मामले को निपटाने के लिए अपीलीय प्राधिकारियों के साथ आदेश के बारे में अपील करेगी। कंपनी ने इस मामले को लेकर अपने स्टेकहोल्डर्स को एक संबोधन में भरोसा दिलाया कि इस जुर्माने का उन पर कोई भौतिक वित्तीय प्रभाव उन पर पड़ने की आशंका नहीं है। स्टेकहोल्डर्स को किए गए संबोधन में कंपनी ने कहा, 'कंपनी का उक्त आदेश के खिलाफ अपीलीय प्राधिकारियों के पास अपील दायर करने का इरादा है।

रियल पी1 5जी सीरीज़ के दो फोन लॉन्च

-रियल पी1 5जी और रियल पी1 प्रो 5जी फोन शामिल

नई दिल्ली ।

भारत में चाइनीज कंपनी रियलमी ने अपने मिड-रेंज सेगमेंट के रियल पी1 5जी सीरीज़ के दो फोन लॉन्च कर दिए हैं। इसमें रियल पी1 5जी और रियल पी1 प्रो 5जी शामिल है, जिनकी शुरुआती कीमत रुपए 15,999 रखी गई है। रियल पी1 5जी के 6जीबी रैम/128जीबी वेरिएंट की कीमत रुपए 15,999 और 8जीबी रैम/256जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत रुपए 18,999 रखी गई है।

रियल पी1 प्रो 5जी के 8जीबी रैम/128जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत रुपए 21,999 और 8जीबी रैम/256जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत रुपए 22,999 रखी गई है। रियल पी1 5जी पीकॉक ग्रीन और फीनिक्स रेड कलर में उपलब्ध होगा। इस बीच रियल पी1 प्रो 5जी पैरट ब्लू और फीनिक्स रेड कलर ऑप्शन में उपलब्ध कराया जाएगा। आइए जामते हैं कैसे हैं दोनों फोन के सभी स्पेसिफिकेशंस के बारे में। रियल पी1 और रियल पी1 प्रो 5जी में 6.67 इंच का फुल एचडी+ अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जिसका रेजोलूशन 2400 गुना 1080 पिक्सल, 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 240एचझेड टच सैंपलिंग रेट और 2000 निट्स पीक ब्राइटनेस है। दोनों फोन एंड्रॉयड 14 ऑपरेटिंग सिस्टम पर बेस्ड रियलमी यूआई 5.0 पर चलते हैं। इसके अलावा रियलमी ने इस डिवाइस के साथ 3 साल के ओएस अपडेट और 4 साल के सुरक्षा पैच देने का वादा भी किया है।

कैमरे के तौर पर बेस वेरिएंट में एफ/1.8 अपर्चर वाला 50-मेगापिक्सल का सोनी एलवायटी600 प्राइमरी कैमरा और 2-मेगापिक्सल बी एंड डबल्यू सेकेंडरी सेंसर है। रियल पी1 प्रो में पीछे की तरफ समान प्राइमरी

कैमरा है, जिसके साथ 8-मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट सेंसर भी है। सेल्फी के लिए फ्रंट में 16 मेगापिक्सल का सेंसर है। पावर के लिए फोन में 5000 एमएएच की बैटरी है, जो कि 45वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है।रियल पी1 पमीडियाटेक डाइमेंशन 7050 एसओसी द्वारा संचालित है, जबकि इसका प्रो वेरिएंट क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 एसओसी से लैस है। इसका चिपसेट 8जीबी एलपीडीडीआर4गुणा रैम और 256जीबी यूएफएस 3.1 स्टोरेज है।

अब 50 लोगों के खाने का आर्डर भी जोमैटो पूरा करेगा

नईदिल्ली। अब जोमैटो पर छोटी पूरी पार्टी के लिए आर्डर दिए जा सकेंगे। कंपनी का कहना है कि 50 लोगों तक का खाना एक साथ कंपनी डिलेवर कर सकती है। इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है।खाद्य उत्पादों के ऑनलाइन आपूर्ति मंच जोमैटो ने 50 लोगों तक की भागीदारी वाले कार्यक्रमों के लिए सामान पहुंचाने के इरादे से मंगलवार को देश में पहली बार बड़े ऑर्डर का एक अलग दस्ता शुरू करने की घोषणा की। जोमैटो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने कई पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बड़े ऑर्डर की आपूर्ति के लिए बना यह खास दस्ता पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करेगा।गोयल ने कहा, ''आज हम भारत का पहला बड़ा ऑर्डर दस्ता पेश करने के लिए रोमांचित हैं। यह दस्ता सामूहिक बड़े समूह, पार्टी एवं आयोजन जैसे आपके सभी बड़े ऑर्डर को आसानी से संभाल पाएगा। पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित यह दस्ता 50 लोगों तक के लिए ऑर्डर पहुंचाने के लिए बनाया गया है।'' हालांकि, गोयल ने कहा कि इस दस्ते के लिए निर्धारित इलेक्ट्रिक वाहनों पर अभी काम चल रहा है और जोमैटो इनमें कूलिंग उपकरण और तापमान नियंत्रण वाले बॉक्स जैसे हिस्सों को जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।

कई उपायों के बाद भी कम हुआ दाल का उत्पादन .....चिंतित मोदी सरकार

मांग को पूरी करने दाल आयात करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार की ओर से किसानों को प्रोत्साहन देने के बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। हमें घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में दलहन उत्पादों का आयात करना पड़ रहा है। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया और 3.74 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अब भी आने बाकी हैं लेकिन शिपमेंट्स से पता चलता है कि करीब 45 लाख टन दाल का आयात किया गया। इससे पिछले साल यह आंकड़ा 24.5 लाख टन का था।

मोदी सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि घरेलू बाजार में दलहन के मांग की पूर्ति और कीमतों को स्थिर रखने के लिए ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ दीर्घकालिक समझौते पर बातचीत कर रहा है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात होना है, जबकि अर्जेंटीना से अरहर के आयात के लिए बातचीत लगभग अंतिम पड़ाव पर है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी संपर्क किया है। मोदी सरकार का मानना हैं दालों के आयात में वृद्धि से घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे कीमतें स्थिर सकतीं हैं। इसके पहले मोदी

सरकार ने पीले मटर के आयात को जून तक ड्यूटी फ्री कर दिया है। वहीं, अरहर और उड़द का आयात 31 मार्च 2025 तक कर मुक्त कर दिया गया है। कीमतों पर नियंतण के लिए 15 अप्रैल (सोमवार) को दालों के स्टॉक के लिए लिमिट तय कर दी है। मोदी सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे भी जमाखोरी रोकने के लिए सतर्क रहें। मोदी सरकार की चिंता कारण यह है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था।

ओला ने ई-स्कूटर की एस1 एक्स रेंज की कीमतों में की कटौती

- एस1 एक्स पोर्टफोलियो की कीमत अब 69,999 रुपये

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने डिलीवरी ब्योरे के साथ अपने ई-स्कूटर की एस1 एक्स रेंज की नई कीमतों की घोषणा की। इसमें तीन बैटरी कॉन्फ़िगरेशन-2 केडब्ल्यूएच, 3 केडब्ल्यूएच, 4 केडब्ल्यूएच में उपलब्ध, एस1 एक्स पोर्टफोलियो की कीमत अब 69,999 रुपये से शुरु होकर 84,999 और 99,999 रुपये होगी। इसकी डिलीवरी अगले हफ्ते से शुरू हो जाएगी। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि पूरे देश में ईवी की पहुंच और बढ़ेगी। इसके अलावा, कंपनी ने एस1 प्रो, एस1 एयर और एस1 एक स+ के लिए नई कीमतों की घोषणा की, जो 1,29,999 रुपये, 1,04,999 रुपये और 84,999 रुपये में उपलब्ध होंगी। ओला कंपनी के मुताबिक 6 किलोवाट मोटर द्वारा संचालित स्कूटर 3.3 सेकंड में 0-40 किमी प्रतिघंटा की गति देता है और 4केडब्ल्यूएच और 3केडब्ल्यूएच मॉडल में 90 किमी प्रति घंटे की तेज गति प्रदान करता है और 2केडब्ल्यूएच वेरिएंट में 4.1 सेकंड और 85 किमी प्रति घंटे की गति से चलता है। स्कूटर में तीन राइडिंग मोड हैं -इको, नॉर्मल और स्पोर्ट्स और राइडर्स इनके बीच आसानी से स्विच कर सकते हैं।

PUBLIC NOTICE

KNOW ALL MEN THAT MY NAME WAS **DIPTI NILESHKUMAR SHAH**, I HAVE CHANGE MY NAME AS **DIPTIBEN NILESHKUMAR SHAH**. IN FUTURE I WILL BE KNOWN BY MY PRESENT NAME **DIPTIBEN NILESHKUMAR SHAH** FOR ALL PURPOSE.
RESIDENCE ADDRESS: H.NO.1175, GOVERNMENT HOUSING SOCIETY, BEHIND GUJARAT IND. BANK, SILVASSA-396230, U.T. OF D&NHD&D.

मातृशक्ति को लज्जित करती अमर्यादित भाषा!

सोनम लववंशी

विडंबना देखिए कि चुनाव आते ही हमारे देश में महिला सशक्तिकरण पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है। देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरुषों की बराबरी कर रही है लेकिन महिलाओं के साथ छींटाकशी आधुनिक समाज में भी चरम पर हैं। माना कि चुनाव का दौर चल रहा है और जीतने के लिए मुद्दे गढ़े जाते है लेकिन यह कौन सा तरीका हुआ कि महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की जाए। वह भी देश का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं द्वारा।

लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही पूरे देश में राजनीतिक सरगर्मियां उफान पर है। सियासत के सूरमा जिक्र तो लोक कल्याण और समावेशी विकास करते हैं, लेकिन इक्कीसवीं सदी के बदलते भारत की राजनीति भी करवटें बदल रही है। विपक्ष तो विपक्ष सत्ता पक्ष भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कब राजनीति की नैतिकी और सिद्धांतों को धत्ता बता दें। यह पता ही नहीं चलता। ऐसे में अभिव्यक्ति के नाम पर अनर्गल बयानबाजी ने राजनीति की शुचिता को तार-तार कर दिया है। बोल के लब आजाद है तेरे पंक्ति का शोर आजकल राजनैतिक आबोहवा में गुंजित हो रहा है। ऐसे में मालूम तो यही पड़ता कि जब मशहूर शायर फैज अहमद फैज ने इन पंक्तियों को लिखा होगा तो शायद ही कभी ये सोचा होगा कि देश के राजनेता उनकी इस पंक्ति के सहारे शब्दों की सारी मयार्दा लांघ जाएंगे!

यूं तो महिलाओं के प्रति की जाने वाली अभद्र टिप्पणियों के लिए भारतीय लोकतंत्र सदियों से बदनाम रहा है, लेकिन चुनाव आते-आते विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर को अमर्यादित भाषा के वायरस से कलंकित करने में हमारे राजनेता कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। खासकर महिला नेताओं को लेकर अभद्र टिप्पणी का दौर कुछ इस तरह चल पड़ा है। जो अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। आलम तो कुछ यूं हो चला है कि अब महिला नेत्री भी इस मुकाबले में पीछे नहीं रही है। बीते दिनों ही कंगना रनौत और ममता बनर्जी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां इसकी ताजा मिसाल हैं। लेकिन महिलाओं पर ऐसे हमले क्यों होते हैं और यह स्थिति कैसे बदलगी? ये कोई नहीं कह सकता। वैसे जब महिला ही महिला को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने लगें। फिर स्थिति और असहज हो जाती है।

बीते दिनों पश्चिम बंगाल से बीजेपी सांसद दिलीप घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर विवादित टिप्पणी की। उन्होंने कहा, दीदी (ममता बनर्जी) गोवा में खुद को गोवा की बेटी बताती हैं, त्रिपुरा जाकर खुद को त्रिपुरा की बेटी बताती हैं। उन्हें पहले अपने पिता की पहचान करनी चाहिए। यूं तो चुनाव आयोग ने ऐसे बयानों पर चेतावनी देकर इतिश्री कर ली है। पर इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा तभी तो अभी हाल के दिनों में ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद रणदीप सुरजेवाला ने हरियाणा के कैथल में जनसभा

को संबोधित करते हुए कहा था कि हम लोग विधायक, सांसद क्यों बनते हैं? हम हेमा मालिनी तो हैं नहीं कि चाटने के लिए बनते हैं। अब जरा कोई रणदीप सुरजेवाला को यह बताएगा कि कांग्रेस में भी महिलाएं सांसद-विधायक क्यों बनती हैं? आखिरकार रणदीप सुरजेवाला कोई दूध पीते बच्चे तो है नहीं जो अनाप-शनाप कुछ भी बोल दिए! एक पार्टी का जिम्मेदार नेता कैसे अशोभनीय भाषा और नीचता पर उतारू हो जाता है। यह समझ नहीं आता। वैसे अमर्यादित भाषा का ये दौर राजनीति के गलियारों में सदियों से चलता आया है। फिर चाहे वो पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और बसपा प्रमुख मायावती जैसी वरिष्ठ नेता ही क्यों न रही हो। स्मृति ईरानी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पति चोर कहकर ट्रोल किया गया था। जबकि साल 2020 में सोनिया गांधी के जन्मदिन पर बार डांसर डे ट्रेंड कर रहा था। साल 2016 में उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मायावती की तुलना वैश्या से कर दी थी।

विडंबना देखिए कि चुनाव आते ही हमारे देश में महिला सशक्तिकरण पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है। देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरुषों की बराबरी कर रही है लेकिन महिलाओं के साथ छींटाकशी आधुनिक समाज में भी चरम पर हैं। माना कि चुनाव का दौर चल रहा है और जीतने के लिए मुद्दे गढ़े जाते है लेकिन यह कौन सा तरीका हुआ कि महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की जाए। वह भी देश का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं द्वारा। ममता बैनर्जी हों या हेमा मालिनी। किसी भी महिला के खिलाफ किसी राजनेता को अभद्र टिप्पणी करने का क्या अधिकार है? हमारी मां-बहन- बेटियां हैं। उनकी भी तो कोई इज्जत है! फिर किसी सामाजिक राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय महिला के साथ शाब्दिक छींटाकशी क्यों? दुःखद तथ्य यह है कि अब तो महिलाएं स्वयं महिलाओं पर अनर्गल प्रलाप कर रही हैं। कंगना रनौत से जुड़ा मामला कुछ ऐसा ही है। वैसे तो नारी की जिंदगी मयार्दा में सिमटी हुई है। पितृसत्तात्मक समाज के इस दौर में महिलाओं के लिए चुनौतियाँ कम नहीं है। आज भी आधुनिक होते समाज में महिलाओं के लिए पाबंदी कम नहीं है। ये अलग बात है कि पंचायत की राजनीति से लेकर संसद और राष्ट्रपति की कुर्सी तक महिलाएं पहुंच चुकी हैं लेकिन अब भी उनकी संख्या सीमित है। आज के दौर में हम विकसित होने का ढोंग भले रच लें, लेकिन सोच और समझ हमारी रसातल में जा पहुँची है। देश के शीर्ष पदों पर बैठे लोगों से लेकर निचले स्तर तक के लोग महिलाओं के खिलाफ बदजुबानी में पीछे नहीं हैं। ऐसे में सवाल कई उठते हैं, लेकिन जब लोकराज ही बिना लोकलाज के चलने लगें। फिर उन सवालों का ज्यादा औचित्य नहीं?

आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अमर्यादित भाषा के वायरस से पीड़ित हो चुका है। जो उसके लिए बहुत बड़ी विडंबना वाली बात है। राजनीति का अर्थ यह तो कतई नहीं होता कि सियासतदां एक दूसरे के निजी जीवन पर आक्षेप करने लग जाएं। राजनीति सदियों से हमारे समाज का अंग रही है। फिर हमारे सियासत के सूरमा लोकतंत्र के भीतर राजनीति के सिद्धांतों को तिलांजलि क्यों दे रहें हैं? आज जिस दौर में भारतीय राजनीति में भाषा की गिरावट अपने निम्नतम स्तर पर पहुँच गयी है। राजनेताओं के बोल बिगड़ते जा रहे है। उन्हें दूसरे राजनीतिक दल के नेताओ को बुरा बोलने में कोई बुराई नजर नही आती है। फिर सवालों की एक लंबी फेहरिस्त उत्पन्न होती है। क्या उसके उत्तर हमारे लोकतांत्रिक पहरुओं के पास है? पहला सवाल अभिव्यक्ति की आजादी ये तो नहीं कहती कि आप किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के मान को भंग करें? फिर आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? राजनीति निजी दुश्मनी अदा करने का कोई अखाड़ा भी नहीं। फिर अमर्यादित होने का क्या निहितार्थ? जब संवैधानिक व्यवस्था में राजनीति का जन्म देश को सुचारू रूप से आगे ले जाने के लिए हुआ। फिर मूल उद्देश्य को क्यों बिसार रहे राजनीति के सिपहसालार? इसके अलावा जब भाषा हमारे सामाजिक परिवेश का स्तर तय करती है। भाषा हमारी सोच का पैमाना होती है। तो राष्ट्रीय पार्टियों के नेता बदजुबानी करके समाज और वैश्विक परिदृश्य को क्या यह दिखाना चाहते कि हम तो जुबानी रूप से असभ्य हैं ही, इससे ही भारत भूमि के बारे में अंदाजा लगा लीजिए? अगर ऐसा कुछ विचार हमारे नेताओं के हैं तो उन्हें अपने बारे में न सोचकर एक मर्तबा देश की संस्कृति और परम्परा की तो सुध लेनी चाहिए खुले मंचो पर अमर्यादित बयानबाजी करने से पहले, क्योंकि यह हमारे देश की छवि को निकृष्ट करने का कार्य करती है।

संपादकीय

मजबूत रहे न्यायपालिका

अब की बार पूर्व न्यायाधीशों ने 'न्यायपालिका को अनावश्यक दबाव से बचाने के लिए' देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखा है। सुप्रीम कोर्ट के चार और हाई कोर्ट के 17 पूर्व न्यायाधीशों ने किसी का नामोल्लेख किए बिना आरोप लगाया है कि कुछ लोग यानी वकील 'अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों एवं व्यक्तिगत लाभों से प्रेरित होकर न्यायिक संस्था को कमजोर करने में लगे हैं'। जस्टिस चंद्रचूड़ से ऐसे तत्वों के झांसे में न आकर न्यायिक गरिमा को अक्षुण्ण रखने का आह्वान किया गया है। इसी तरह की भाषा-शैली में आज से तीन हफ्ते पहले सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालयों के 600 अधिवक्ताओं, जिनमें हरीश साल्वे जैसे दिग्गज शामिल थे, ने जस्टिस चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखा था। इसमें भी न्यायपालिका के सामने आ रही वैसी ही कठिनाइयों का जिक्र किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी जड़ कांग्रेस की 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका बनाने की मानसिकता' में बताया था तो उजागर हुआ था कि पत्र का ताल्लुक कांग्रेसी विचारधारा के अधिवक्ताओं से है, जो पीठ या न्यायाधीशों पर मनमाफिक फैसले के लिए 'अनुचित दबाव और प्रभाव' डालते हैं। पत्र पर दस्तखत करने वाले जस्टिस ढींगरा ने एक इंटरव्यू में कपिल सिब्बल का नाम लेते हुए कहा है कि वे मामले में 'पैरवी के दौरान केस की मेरिट पर दलीलें न देकर कहने लगते हैं कि अगर इसे छोड़ा नहीं गया तो बवाल हो जाएगा' आदि। इसी समूह में प्रशांत भूषण और अभिषेक मनु सिंघवी के भी नाम हैं। और भी नाम हो सकते हैं। ये लोग पहले इजलास के अंदर और इसके बाहर इंटरव्यू एवं लेखों के जरिए उन फैसले को सरकार के दबाव में दिया बता कर उनकी अतार्किक आलोचनाएं करते हैं, जो उनके विरोध में आए होते हैं। इससे न्यायपालिका पर खामख्वाह दबाव बनता है। एक बार जस्टिस चेलमेर ने भी 'इन करोड़ी समूह के अधिवक्ताओं से दिक्कत' बताई थी। न्यायिक क्षेत्र-निचली से लेकर सर्वोच्च अदालत तक-में हाल के दशकों में यह एक फेनोमिना के रूप में विकसित हुआ है। इसमें मनचाही खंडपीठ के लिए तो पीठ बदलने के लिए जोर-जबर्दस्ती की जाती है। इस समस्या का समूचा हिस्सा न्यायालीय ही नहीं है। राजनीतिक विचारधारा और सबसे अधिक उसकी सत्ता भी है। दबावकारी प्रवृत्ति बढ़ी है तो इसकी वजह कुछेक न्यायाधीशों में सत्ता के नजदीक जाने की कमजोरी भी है। यह दबाव से काम करा ले जाने का साहस पैदा करता है।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

कैसी होगी बाबा रामदेव की सार्वजनिक माफी

सनत जैन

पतंजलि के विज्ञापन मामले में मंगलवार को योग गुरु स्वामी रामदेव के माफीनामे पर सुप्रीम कोर्ट में बहस हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप योग गुरु हैं। योग के क्षेत्र में आपने बहुत अच्छा काम किया है। योग के साथ-साथ आप बिजनेस भी करने लगे। न्यायमूर्ति कोहली ने कहा माफी मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कोई आदेश या सेंसरशिप नहीं लगाई है। संयुक्त बैंच ने यह भी कहा कि आप बताएं, आपको माफी क्यों दी जाए? इसके बाद बाबा रामदेव और बालकृष्ण सार्वजनिक माफी मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट में तैयार हो गए। सुप्रीम कोर्ट ने जब बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की माफी और उसके तरीके को स्वीकार नहीं किया, तो उसके बाद सुप्रीम कोर्ट से बाबा रामदेव और बालकृष्ण सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने के लिए तैयार हुए। यह भूल उनसे अज्ञानता के कारण हुई है। आगे से हम सजग रहेंगे। बाबा के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि अभी हमने सुप्रीम कोर्ट में कुछ भी फाइल नहीं किया है। हमारे पक्षकार सार्वजनिक माफी मांगना चाहते हैं।

बाबा रामदेव ने गलत दावे करते हुए विज्ञापन जारी किए। उन्होंने गेरुआ वस्त्र को धारण करके साधु के भेष में झूठे विज्ञापन जारी किये। मॉडल के रूप में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में खुद ही अपने उत्पाद के बारे में झूठे दावे किए। शिष्यों और उपभोक्ताओं से सुनियोजित रूप से अरबों रुपए की लूट की है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की जब सुनवाई चल रही थी। उस समय बाबा ने एक तरह से न्यायालय को चुनौती देते हुए कहा था, यदि वह गलत होंगे, तो वह फांसी पर चढ़ने और कोई भी जुमार्ना भरने के लिए तैयार हैं। ऐसा कहकर उन्होंने उस समय भी धोखा देने की कोशिश की थी। बाबा ने खुले रूप से कई वर्षों तक धोखाधड़ी करके भक्तों की आस्था और उपभोक्ताओं के साथ लूटामारी की है। सही मायने में गलत विज्ञापनों के आधार पर उपभोक्ताओं को धोखा देकर लूटा गया है। पतंजलि और बाबा रामदेव को पैसा वापस लौटाने तथा सभी मीडिया चैनल और प्रिंट मीडिया के सभी समाचार पत्रों में सार्वजनिक रुप से माफीनामा प्रकाशित कराने की अपेक्षा की जा रही है।

रावण ने मां सीता का अपहरण साधु के भेष में किया था। जब राम के हाथों रावण का वध हुआ। उस समय रावण ने अपने आराध्य भगवान शिव से पूछा, उन्होंने उनकी रक्षा क्यों नहीं की। भगवान शिव ने तब रावण को कहा था, राक्षस के रूप में तुम्हें वरदान प्राप्त हुए थे। राक्षस के रूप में यदि तुम, माता सीता का अपहरण करते, तो मैं तुम्हारी रक्षा करता। तुमने साधु का वेश धारण करके सीता माता के साथ विश्वासघात किया था। जिसके कारण में तुम्हारी रक्षा नहीं कर पाया। आज सुप्रीम कोर्ट की भूमिका भी भगवान शिव की तरह है। एक आम व्यापारी के रूप में बाबा रामदेव और बालकृष्ण ने यह धोखाधड़ी की होती, तब उन्हें क्षमा मिल सकती थी। बाबा रामदेव ने भगवा वस्त्र धारण करके, साधु के भेष में, स्वयं उत्पादों का प्रचार करने के लिए मॉडल बन गए। भक्तों और उपभोक्ताओं को ठग कर, उनके साथ विश्वासघात किया है। इसकी माफी हो ही नहीं सकती है। पतंजलि और बाबा रामदेव द्वारा जो अपराध किया गया है। जिन्हें आस्था और

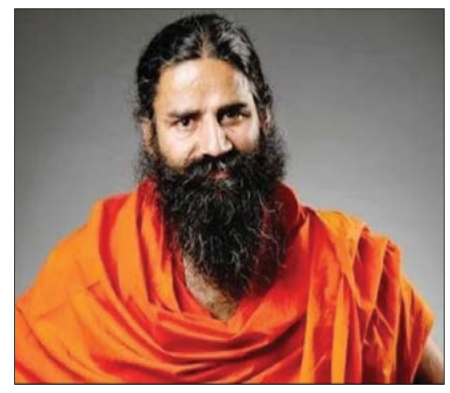

विश्वास के नाम पर लूटा है। सुप्रीम कोर्ट को बाबा रामदेव से लूटी गई राशि वापस करने, सभी इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में जहां-जहां उन्होंने विज्ञापन प्रकाशित कराए हैं। उनके द्वारा जो अपराध किए गए हैं। इसका उल्लेख करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो इस तरह की चालबाजी आगे भी चलती रहेगी। लोगों की आस्था और विश्वास के साथ खिलवाड़ करना अथवा इस तरह की लूट को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

विकास और विरासत का बेहतरीन संतुलन 'मोदी की गारंटी' में

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'भाजपा का संकल्प पत्र-मोदी की गारंटी' नाम से जारी चुनाव घोषणा पत्र प्रस्तुत कर जहां एक ओर मतदाताओं के हृदय को स्पर्श करने में सफलता प्राप्त की है, वही विरोधियों के मुंह पर ताले जड़ दिए हैं। सभी प्रकार की आशंकाओं को परे रखते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 04 जून के बाद इस गारंटी पर एक्शन प्लान शुरू कर दिया जाएगा। उनका यह कथन कि 'जिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें हम पूजते हैं' यह प्रमाणित करता है कि यह संकल्प पत्र सुविधा की दृष्टि से अंतिम पायदान पर खड़े दरिद्र नारायण के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खोलता है। साथ ही यह भरोसा दिलाता है कि आम मतदाता को इस पर विश्वास करने में किसी भी प्रकार की शंका नहीं करनी चाहिए। ऐसा सोचने के लिए एक तर्क यह भी है कि अपने स्थापना काल से ही भारतीय जनता पार्टी जिन मुद्दों को लेकर संघर्ष करती आई है, सत्ता में आते ही उन्हें पूरा करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं दिखाया है।

किसने सोचा था कि हम कभी कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटते हुए देख पाएंगे। लेकिन भाजपा की मोदी सरकार ने यह करिश्मा तब कर दिखाया जब विरोधियों ने दावे किए थे कि ऐसा करने पर देश में भारी बवाल पैदा होगा, एक प्रकार से देश जल ही उठेगा। पूरे 500 साल हुए, जब से लाखों लोगों ने अयोध्या की श्रीराम जन्मभूमि को स्वतंत्र करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुगल तो हमारे दुश्मन और विदेशी लुटेरे थे। अतः उनका मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाना समझ में आता है। लेकिन आजाद भारत में हमारे देश की, हमारी अपनी धर्मनिरपेक्ष सरकारें राम जन्मभूमि स्वतंत्रता आंदोलन में अड़ंगे पैदा करती रहीं। अदालत में भगवान श्रीराम को इन्हीं सरकारों से संबंधित वकीलों ने कपोल कल्पित कहने में शर्म महसूस नहीं की। अयोध्या की सड़कें कार सेवकों के खून से लाल कर दीं और सरयू का पानी रक्त रंजित कर दिया। किंतु जैसे ही भाजपा सरकार में आई और मंदिर समर्थकों को अपना पक्ष रखने का अनुकूल वातावरण मिला, वैसे ही सर्वोच्च न्यायालय द्वारा श्रीराम जन्मभूमि स्वतंत्र होने की घोषणा कर दी गई। आदेश सामने आते ही भाजपा शासित मोदी सरकार ने पल भर की देर नहीं लगाई और भव्य श्रीराम मंदिर का केवल शिला पूजन ही नहीं किया, वरन् भगवान की भव्यतम प्रतिमा की प्राण

प्रतिष्ठा भी करके दिखा दी।

भाजपा का तीसरा संकल्प समान नागरिक संहिता का था। वह भी उसने उत्तराखंड के रास्ते स्थापित करने का प्रण उजागर कर दिया है। अब जो संकल्प पत्र प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 14 अप्रैल को पढ़ा गया है, उसमें वादा किया गया है कि अगले कार्यकाल में हम समान नागरिक संहिता भी लागू करने जा रहे हैं। आशय स्पष्ट है भाजपा के तीन प्रमुख संकल्प थे। इनमें से पहले कालखंड में अनुच्छेद 370 को हटाया जाना समाहित माना जाए, तो दूसरे कालखंड की सौगात अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर को माना जा सकता है। जब भाजपा शासन के दो कालखंडों में अपने दो महत्वपूर्ण और असंभव से प्रतीत होने वाले संकल्प पूरे कर चुकी है, तब मतदाता को यह भरोसा करना ही चाहिए कि अब जब जनता भाजपा को तीसरे कालखंड का जनादेश देने जा रही है तब वह अपना तीसरा संकल्प समान नागरिक संहिता का भी पूरा करके दम लेगी।

इसी के साथ यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि विरोधी लोग अपनी हार को सम्मुख देखते हुए भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि वह केवल मंदिरों और देवलोकों की बात करके देश को भरमा रही है। जबकि सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी तथा उसके द्वारा शासित विभिन्न प्रदेशों की सरकारें व केंद्र की मोदी सरकार 'विकास और विरासत' को साथ लेकर नए भारत का ताना-बाना बुन चुकी हैं। उदाहरण के लिए जहां अयोध्या के श्रीराम मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, दक्षिण भारत की पवित्र सैंगोल, मध्य भारत के महाकाल लोक, पश्चिमी भारत की द्वारकापुरी और पूर्वी भारत में मां काली के विराट प्रादुर्भाव की बातें की जाती हैं तो उन्हें साकार भी किया जाता है। इसी हमारे देश की सनातन विरासत को सहेजने का क्रम माना जाना चाहिए।

जहां तक विकास की बात है तो अब भारत में सुरक्षा का क्षेत्र आत्मनिर्भर हो चला है। औद्योगिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर के बड़े-बड़े निर्माण मेकिंग इंडिया के तहत हमारे देश में ही हो रहे हैं। वंदेभारत के रूप में अत्याधुनिक ट्रेनों की व्यापक श्रृंखलाएं पूरे देश के यातायात को सुगम कर रही हैं। राष्ट्रीय नेशनल मार्गों की फोरलेन सिक्स लेन और अब आठ लेनों वाली श्रृंखलाएं तथा आश्चर्यचकित कर देने वाले फ्लाईओवर ब्रिज विकसित देशों को पीछे छोड़ चुके हैं। चीन और पाकिस्तान से सटे हुए सीमांत प्रदेशों में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर दुश्मनों को चुनौती दे रहा है। देश के अधिकांश भागों में विद्युत आपूर्ति अब सहज सुलभ तथा अनेक प्रांतों में सरप्लस हो चुकी है। फलस्वरूप एक दशक पहले जब अत्यावश्यक कार्यों के लिए भी विद्युत उपलब्ध नहीं हो पाती थी, अब वहां लाखों इलेक्ट्रॉनिक वाहन सरप्लस बिजली से रिचार्ज होकर विदेशी ईंधन से मुक्ति पा रहे हैं।

यही नहीं, अब बिजली बिल जीरो करने की कवायद का भी ऐलान हुआ है। जिसके तहत पीएम सूर्य योजना में एक करोड़ रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं। 24 जून के बाद इस मामले में गति और तेज होने जा रही है, जिससे हम खुद बिजली उत्पादक बनेंगे। अपने उपयोग की बिजली इस्तेमाल करने के बाद जो बचेगी उसे सरकार को बेच भी पाएंगे। यानी आम के आम गुठलियों के दाम। कोरोना के बाद जहां अनेक देशों की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई। वहां लोग रोटी के लिए भी मोहताज हो गए। तब भारत की भाजपा शासित मोदी सरकार ने न केवल वैक्सीनेशन का कीर्तिमान बनाया बल्कि वह दूसरे देशों को भी उपलब्ध कराई। इसके बावजूद भी अपनी अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण बनाए रखा। कांग्रेस ने 70 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया था। जबकि सच्चाई यह है कि इस पार्टी ने और इसके अन्य धर्मनिरपेक्ष साथी दल अपनी और अपने शीर्ष परिवारों की अमीरी बढ़ते रहे। जबकि भाजपा शासित मोदी सरकार ने चार करोड़ परिवारों को प्रधानमंत्री आवास मुहैया कराए। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की और तन ढकने के लिए कपड़े को भी मूल्य की दृष्टि से नियंत्रण में बनाए रखा।

इस प्रकार रोटी, कपड़ा और मकान की जो संकल्पना थी उसे व्यवस्थित कर दिखाया। सोने पर सुहागा यह कि नए संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने 3 करोड़ प्रधानमंत्री आवास अतिरिक्त बनाने का संकल्प जाहिर कर दिया है। आयुष्मान भारत के तहत गरीबों का 5 लाख तक का इलाज तो पहले से ही मुफ्त था। अब नए संकल्प पत्र के अनुसार 70 साल और इससे ज्यादा के उम्र वाले प्रत्येक वर्ग के बुजुर्गों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर वर्ग को भी इस पात्रता में शामिल किया जा रहा है। रसोई गैस के दामों को विरोधियों द्वारा बढ़ चढ़कर दुष्प्रचारित किया जाता है। जबकि कड़वी सच्चाई यह है कि कोरोना के दौरान और उसके बाद पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती थी। जिससे अनेक बड़े-बड़े देश उबर ही ना पाए। लेकिन भारत ने रसोई गैस जैसी बेहद आवश्यक वस्तु की आपूर्ति में बाधा नहीं आने दी। फलस्वरूप कुछ समय के लिए सब्सिडी का भार आम जनता पर आन पड़ा, जो स्वाभाविक भी था। लेकिन अब सरकार की ओर से सब्सिडी दिए जाने के रास्ते सुनिश्चित किए गए हैं। वहीं स्थाई रूप से सस्ती रसोई गैस उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक शहर और कस्बों में पाइप लाइन के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने का संकल्प रखा जा चुका है। आम आदमी की आर्थिक क्षमताएं और मजबूत हों, इसके लिए रेहड़ी पटरी वालों को बिना गारंटी लोन मिलेगा। स्वनिधि योजना का विस्तार कर उसे छोटे कस्बों गांवों तक पहुंचाया जाएगा। युवाओं को स्वरोजगार हेतु पहले से ज्यादा पैसा मिलेगा।

- डॉ. राघवेंद्र शर्मा

आईपीएल में आज होगा पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस का मुकाबला

मोहाली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में गुरुवार को पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इन दोनों ही टीमों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। इसलिए किसकी दावेदारी प्रबल है ये कहा नहीं जा सकता है। दोनो ही टीमें ये मुकाबला जीतकर लय हासिल करना चाहेंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच खेले हैं। इसमें उन्हें दो-दो में जीत मिली है। इस प्रकार दोनों टीमों के चार-चार अंक है।

दोनों ने अपने पिछले मैच हारे हैं, इसलिए दबाव दोनो पर ही रहेगा। पंजाब के लिए ये मैच आसान नहीं होगा क्योंकि उसके कप्तान शिखर धवन कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। धवन ने इस सत्र में काफी अच्छी बल्लेबाजी की है और उनकी कमी पूरी करना टीम के लिए मुश्किल रहेगा। अब देखना है कि उसका शीर्ष क्रम किस प्रकार बल्लेबाजी करता है। इस सत्र में पंजाब की टीम के लिए दो नये खिलाड़ियों शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर ये दोनों निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं। सैम कुरेन इस मैच में पंजाब टीम की कप्तानी करेंगे।

टीम की चिन्ता प्रमुख बल्लेबाज प्रभसिमरन के खराब फार्म से बढ़ गयी है।

प्रभसिमरन ने अब तक छह मैच में 19.83 की औसत से केवल 119 रन ही बनाये है। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वह अब तक छह मैच में 17.66 की औसत से मात्र 106 रन बना सके हैं। टीम की ओर से सैम कुरेन और कागिसो रबाडा ने अच्छी गेंदबाजी की है। इसके अलावा अर्शदीप सिंह और हर्षल पटेल का भी प्रदर्शन पिछले कुछ मैचों से ठीक हो रहा है।

वहीं दूसरी ओर कप्तान हार्दिक पंड्या की मुम्बई भी किसी प्रकार से जीत की राह पर लौटना चाहेगी। टीम के पास काफी अच्छे खिलाड़ी हैं पर निरंतरता की कमी से उसे नुकसान हुआ है। इसके अलावा टीम एक इकाई के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर पायी है। टीम को इसी कारण रोहित शर्मा के शतक के बाद भी पिछले मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा कप्तान हार्दिक को भी गेंद और बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करन होगा। इस ऑलराउंडर ने अब तक 12 की इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की है। वहीं बल्लेबाजी में भी वह विफल रहे हैं। टीम के लिए ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, मोहम्मद नबी, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, गेराल्ड कोएत्जी, श्रेयस गोपाल, जसप्रीत बुमराह।

पंजाब किंग्स- सैम कुरेन (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो, अथर्व तायडे, प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शशांक सिंह, हरप्रीत बराड़, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह, कगिसो रबाडा।

हरमनप्रीत की कप्तानी में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम बांग्लादेश दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। ये सिरीज 28 अप्रैल से शुरू होगी। इसके लिए भारतीय महिला टीम में स्पिनर आशा शोभना और बल्लेबाज साजना सजीवन को भी शामिल किया गया है। शोभना ने महिला आईपीएल में आरसीबी की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। शोभना ने दस मैचों में 12 विकेट लिये थे। वहीं सजीवन ने इसी लीग में मुंबई इंडियंस की ओर से सेमीफाइनल में 74 रन बनाये थे। ये सीरीज इस साल के अंत में टी20 बांग्लादेश में होने वाले विश्व कप को देखते हुए अहम रहेगी। सभी पांच मैच सिलहट में होंगे। आरसीबी की श्रेयांका पाटिल भी टीम में है जबकि डी हेमलता ने अक्टूबर 2022 के बाद वापसी की है। मैच 28, 30 अप्रैल, दो मई, छह मई और नौ मई को खेले जायेंगे। टीम इस प्रकार है – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, डी हेमलता, साजना सजीवन, रिचा घोष, यास्तिका भाटिया, राधा यादव, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, साइका इशाक, आशा शोभना, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधू।

कोहली का ऑरेंज कैप और चहल का पर्पल कैप पर कब्जा बरकरार

–आईपीएल अंकतालिका में राजस्थान शीर्ष, केकेआर दूसरे नंबर पर

कोलकाता (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने सात मैचों में केवल एक जीत के साथ ही अंकतालिका में सबसे निचले पायदान पर है पर उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सबसे अधिक रनों के साथ ही ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। विराट ने अब तक 300 से अधिक रन बनाये हैं। कोहली ने 7 मैचों में कुल 361 रन बनाए हैं। जबकि रियान पराग 318 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो राजस्थान की तरफ से खेलने वाले यजुवेन्द्र चहल बटलर 12 विकेट लेकर पहले स्थान पर हैं और पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। चहल को मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से प्रतिस्पर्दा मिल रही है जिन्होंने अब तक 10 विकेट लिए हैं।

वहीं टीमों की अंक तालिका की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स 12 अंक लेकर नंबर एक पर कायम है। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स 8 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने सात मैचों में केवल एक जीत के साथ सबसे निचले स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद से मिली हार के बाद उसका नेट रन रेट भी नीचे आया है।

राजस्थान रॉयल्स टूर्नामेंट में घर और बाहर दोनों जगह नियमित रूप से जीत हासिल की है। वे प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए मजबूती से खड़े हैं। वहीं लखनऊ सुपर जाइंट्स और गुजरात टाइटंस अभी भी अंकों के मामले में पीछे हैं। केकेआर, सीएसके और सनराइजर्स हैदराबाद अगर तालिका में दूसरा स्थान सुरक्षित करना चाहते हैं और फाइनल के लिए जगह बनाना चाहते हैं तो उन्हें आने वाले मुकाबले जीतने होंगे।

सुनील नारायण खेल सकते हैं टी20 विश्वकप, संन्यास से हो सकती है वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के धाकड़ बल्लेबाज सुनील नारायण की मौजूदा फार्म को लेकर ऐसे कयास और संकेत है कि वह आगामी टी-20 विश्वकप के लिए वेस्टइंडीज की टीम में वापसी करेंगे। केकेआर और आरआर के बीच खेले गये मैच के बाद नारायण ने कहा, 'अभी तो फिलहाल मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया हुआ है, लेकिन देखते हैं कि भविष्य में क्या होगा।'

वेस्टइंडीज के टी-20 कप्तान और इस मैच में नारायण के विपक्षी खिलाड़ी रोवमन पॉवेल ने भी कल के मैच के बाद स्वीकार किया कि वह लगातार नारायण के फैसले को बदलवाने की प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले 12 महीनों से मैं लगातार नारायण के कानों में फुसफुसा रहा हूं कि वह संन्यास से वापसी कर लें। हालांकि वह किसी की नहीं सुनते। मैंने इस बारे में कायरन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो और निकोलस पूरन से भी बात की है। उम्मीद है कि जब तक टीम का चयन होगा, तब तक नारायण और सब लोग मिलकर इस पर फैसला करेंगे।' उन्होंने कहा, 'टीम का मनोबल बहुत ऊंचा है। जब मैं खेल भी नहीं रहा होता हूं, तब भी टीम प्रबंधन के लोग मुझसे एक स्पष्ट वार्तालाप करते हैं। मैंने उनसे कहा है कि मैं वेस्टइंडीज के लिए चार या पांच नंबर पर बल्लेबाजी करता हूं, इसलिए मुझे ऊपर भी भेजा जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि नारायण ने पिछले वर्ष नवंबर में संन्यास लिया था और कहा था कि वह घर पर बैठकर ही टी-20 विश्वकप का लुफ्त उठाएंगे।

जोस बटलर विशेष खिलाड़ी, लेकिन कोई उनकी बात नहीं करता : हरभजन सिंह

मुंबई (एजेंसी)। ईडन गार्डन में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाजी जोस बटलर ने दबाव वाली स्थिति से अपनी टीम को बाहर निकालकर शतक लगाया और साथ ही टीम को जीत भी दिलाई। बटलर का यह सीजन में दूसरा शतक है। दोनों बार वह टीम को जीत दिलाने में सफल रहे। बटलर आईपीएल में अब तक 7 शतक लगा चुके हैं। वह जब शतक लगाते हैं उनकी टीम जीत हासिल करती है। बटलर की इसी खासियत से भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह भी खुश दिखे। उन्होंने बटलर को विशेष खिलाड़ी कहा।

हरभजन ने कहा कि उन्हें भारतीय खिलाड़ी की तुलना में उतनी सराहना नहीं मिलती। जितनी मिलनी चाहिए। वह एक विशेष खिलाड़ी हैं। वह एक अलग दर्जे का खिलाड़ी हैं। जॉस बटलर ने ऐसा पहली बार नहीं किया है। उन्होंने ऐसा कई बार किया है और हम उन्हें आगे भी कई बार यह काम करते हुए देखेंगे। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। हम शायद उनके बारे में ज्यादा बात नहीं करते क्योंकि वह भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं।

अनुभवी स्पिनर ने आगे कोहली और महेंद्र सिंह धोनी का उदाहरण दिया और सुझाव दिया कि बटलर को भी वही सम्मान दिया जाना चाहिए। भारत के पूर्व स्पिनर ने कहा कि अगर विराट कोहली ने यह शतक बनाया होता, तो हम दो महीने तक उनकी प्रशंसा करते, जैसे हम एमएस धोनी के चार (3) छक्कों के बारे में बात करते हैं। हमें उनका जश्न उसी तरह मनाना चाहिए जैसे हम अपने खिलाड़ियों का जश्न मनाते हैं क्योंकि वह भी खेल के दिग्गजों में से एक है।

धर्मशाली स्टेडियम हुआ अत्याधुनिक, पहली हाइब्रिड पिच बनी : एचपीसीए

मुम्बई । खूबसूरत वादियों में घिरे हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में अब देश की पहली अत्याधुनिक हाइब्रिड पिच भी बनायी गयी है । अब धर्मशाला स्टेडियम बीसीसीआई की मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम बन गया है जिसमें ये हाइब्रिड पिच बनायी गयी है । इस पिच पर आईपीएल के दो मैच भी खेले जाने हैं । हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) अध्यक्ष आर पी सिंह ने कहा कि नीदरलैंड की एसआईएस ग्रास कंपनी ने ये पिच बनायी है । ये पिच अधिक टिकाऊ, स्थिर रहेगी और इसका प्रदर्शन भी अच्छा रहेगा । साथ ही कहा, '' हाइब्रिड पिच तकनीक के आने से देश में क्रिकेट को काफी लाभ होगा ।'' पारंपरिक सतहें कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सामना नहीं कर सकती हैं और जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे खिलाड़ियों के लिए अभ्यास के अवसर कम हो हो जाते हैं जबकि हाइब्रिड पिच लंबे समय तक चलती है इसलिए कोई परेशानी नहीं आती । वहीं एसआईएस कंपनी के अंतरराष्ट्रीय निदेशक पॉल टेलर ने कहा ,''भारत में हमने अपने साझेदार पिच विशेषज्ञ ग्रेटर टेन के साथ मिलकर एसआईएस ग्रास हाइब्रिड पिच जैसी अत्याधुनिक पिच तैयार की है । इससे भारतीय मैदान पर क्रिकेट खेलना और बेहतर होगा ।'' हाइब्रिड पिच में मैदान के अंदर की कुदरती टर्फ के साथ कुछ फीसदी पोलीमर फाइबर भी होता है । इससे पिच टिकाऊ रहती है और इस पर समान उछाल भी मिलता है । इसके साथ ही ये लंबे समय तक खराब नहीं होती और इसका रखरखाव भी आसान होता है । एचपीसीए आधुनिक तकनीकी अपनाने में आगे रहा है और इस आर भी उसने अन्य क्रिकेट बोर्डों को पीछे छोड़ दिया है ।

गांगुली ने अपनी किताब में पाक तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को लेकर अहम खुलासे किये

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों से उनकी दोस्ती हुई। गांगुली के अनुसार इनमें वसीम अकरम, इंजमाम उल हक और शोएब अख्तर जैसे खिलाड़ी थे। गांगुली ने अपनी किताब 'वन सेंचुरी इज नॉट इनफ में भी इसका जिक्र किया है । सौरव के अनुसार, 2004 की भारत–पाकिस्तान क्रिकेट सीरीज के दौरान एक बार उन्होंने दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को रावलपिंडी के वनडे मैच से पहले रात 11 बजे अकेले गेंदबाजी का अभ्यास करते हुए देखा था जिससे उन्हें हैरानी भी हुई थी । पहले लगा कि वह बेहद गंभीर हैं । बाद में मुझे लगा कि हमने इस मैच से पहले हमने उन्हें पटरी से उतारने की बात कही थी शायद उसी के डर से वह अभ्यास कर रहे थे । उन्होंने इस वाकये के साथ ही कई अन्य बातों के बारे में भी अपनी किताब में बताया है । सौरव ने इस किताब में लिखा, 'पाकिस्तान के साथ इतने लंबे समय तक खेलने के दौरान मेरे कई दोस्त बन गए । वसीम, वकार, इंजमाम उल हक और शोएब अख्तर के साथ मेरा पहला सामना ईडन गॉर्डंस पर हुआ जहां उसने एक के बाद एक गेंदों पर सचिन और द्रविड़ को आउट करके भारतीय टीम को झटका दिया है । जब हम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर थे तो शोएब ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को लिखकर सीनियर प्लेयर्स के बराबर वेतन दिए जाने की मांग की थी । तब मैं इस नए गेंदबाज के आत्मविश्वास को देखकर हैरान था जबकि तब उसने केवल चार–पांच टेस्ट खेले थे और अपनी तुलना वसीम और वकार से कर रहा था। ' सौरव आगे लिखते हैं, 'शोएब पाकिस्तानी–ब्रिटिश एक्सेंट की अंग्रेजी बोलते हैं जिससे समझना कठिन हो जाता था । कई बार मुझे समझ ही नहीं आता था कि वह क्या बोल रहा है ।'

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में नये चेहरों की संभावना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए इस महीने के अंत तक जब भारतीय टीम को अंतिम रूप दिया जायेगा तो इसमें आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले किसी नये खिलाड़ी को चुने जाने की संभावना नहीं है लेकिन कुछ परखे हुए क्रिकेटरों को निराशा का सामना करना पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अस्थायी 15 सदस्यीय टीम घोषित करने के लिए एक मई की तारीख तय की है जिससे अजीत अगरकर और उनके साथियों को टीम के प्रत्येक सदस्य के फिट होने की स्थिति में कुछ स्पष्ट विकल्प चुनने होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, ''इसके लिए कोई प्रयोग या फिर मैदान के प्रदर्शन से चयन नहीं होगा। भारत के लिए जो खिलाड़ी खेलते हैं और जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय तथा आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें चुना जायेगा।''

इससे साफ लगता है कि शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल में से कोई एक टीम में जगह बनाने से चूक सकता है लेकिन अगर अंतिम एकादश में दोनों को चुना जाता है तो फिर दो फिनिशर रिंकू सिंह और शिवम दुबे में से किसी एक को ही जगह मिल सकती है। वहीं दूसरे विकेटकीपर के स्थान के लिए भी फैसला करीबी हो सकता है जिसमें संजू सैमसन को जितेश शर्मा, केएल राहुल और ईशान किशन से प्रतिस्पर्धा मिलेगी। राहुल और किशन शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करते हैं और इस आईपीएल में इन दोनों ने अभी तक मध्यक्रम में बल्लेबाजी का प्रयास नहीं किया है जिससे चयनकर्ताओं के लिए निचले क्रम में उनके प्रदर्शन का विश्लेषण करना मुश्किल होगा।

हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी फिटनेस हालांकि चिंता का विषय बनी हुई लेकिन उनके चयन को लेकर कोई संदेह नहीं दिखता। उन्हीं की तरह विराट कोहली को शामिल करने पर भी कोई संदेह नहीं है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा, ऋषभ पंत, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव का चयन निश्चित है। ये 10 खिलाड़ी अगर फिट हैं तो निश्चित रूप अमेरिका की उड़ान भरेंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सिराज को आराम दिया है क्योंकि वह लगातार खेल रहे हैं और उनके कार्यभार प्रबंधन की जरूरत है।

गिल और जायसवाल के बीच में चयन की बात की जाये तो इनमें से गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने ज्यादा रन जुटाये हैं। लेकिन जायसवाल की बात की जाये तो चयन समिति आईपीएल में उनके कुछ कम स्कोर को देखते हुए उनकी अनदेखी नहीं कर सकती। साथ ही वह शीर्ष चार में केवल एकमात्र बायें हाथ के बल्लेबाज हैं जो अच्छी चीज है। लेकिन अगर गिल लगातार रन बनाते रहते हैं तो चीजें काफी मुश्किल हो जायेंगी। वर्ना चयनकर्ता दोनों को शामिल कर सकते हैं तथा शिवम और रिंकू में से किसी एक को बाहर कर सकते हैं।

'रिजर्व' स्पिनर के स्थान के लिए तीन क्रिकेटरों में प्रतिद्वंद्विता होगी जिसमें अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल और रवि बिश्नोई शामिल हैं। अक्षर जहां बायें हाथ के स्पिनर हैं तो उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। चहल ने अपने नौ साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में अभी तक एक भी टी20 विश्व कप नहीं खेला है, लेकिन वह गेंदबाजी कौशल में अन्य दोनों से कहीं आगे हैं। लेकिन बार बार महत्वपूर्ण टीम से उन्हें बाहर किया जाना जून में होने वाले टूर्नामेंट में उनके चयन पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और अब प्रसारक ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पर दिलचस्प जानकारी देते हुए कहा कि यह नियम टीम चयन में नुकसान पहुंचा रहा है।

उन्होंने कहा, ''एक शानदार '12 खिलाड़ियों की टीम' के क्रिकेट मुकाबले का यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम आईपीएल के दर्शकों के लिए बहुत ही अच्छा है लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए यह नुकसानदायक है। इसने आलराउंडर की भूमिका को खत्म कर दिया है इसलिये आधे फिट हार्दिक पंड्या भी काफी अहम है क्योंकि वह गेंदबाजी कर सकते हैं। '' उन्होंने कहा, ''अगर यह नियम नहीं होता तो चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी (रुतुराज गायकवाड़ नहीं) बतौर कप्तान दुबे को गेंदबाजी नहीं कराने का जोखिम उठा सकते थे? चयनकर्ताओं को दुबे की गेंदबाजी फॉर्म नहीं पता।''

उन्होंने कहा, ''इसी तरह राहुल तेवतिया जैसा खिलाड़ी अच्छा फिनिशर होने के बावजूद दौड़ में नहीं है जबकि वह अच्छा लेग ब्रेक गेंदबाज भी है। वह इस नियम के कारण अब गेंदबाजी नहीं करता। इससे किसका नुकसान है? राष्ट्रीय टीम का ही ना। '' रियान पराग, मयंक यादव, अभिषेक शर्मा और हर्षित राणा जैसे सभी नये खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन पता चला है कि चयन समिति उन्हें विश्व टी20 जैसे उच्च स्तर के टूर्नामेंट में परखने के बजाय द्विपक्षीय क्रिकेट से ही सहज बनाने की प्रक्रिया का अनुकरण करेगी। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ सफेद गेंद की दो श्रृंखला होंगी जिसमें ये युवा खिलाड़ी भारत के लिए पदार्पण की कतार में होंगे।

नीतिश रेड्डी गेंदबाजी आलराउंडर हैं, वह पिछले साल श्रीलंका का दौरा करने वाली 'इंडिया इमर्जिंग' टीम का हिस्सा थे। वह भी इसी राह पर चल सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बीसीसीआई मयंक यादव, हर्षित राणा और आकाश मधवाल जैसे खिलाड़ियों को नेट गेंदबाज के तौर पर ले जाती है या नहीं क्योंकि इससे उन्हें अच्छा मौका मिलेगा।

दौड़ में शामिल संभावित 20 (15+5 स्टैंड बाई) खिलाड़ी

विशेषज्ञ बल्लेबाज (6): रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह

ऑलराउंडर (4): हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल।विशेषज्ञ स्पिनर (3): कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई।विकेटकीपर बल्लेबाज (3): ऋषभ पंत, केएल राहुल और संजू सैमसन।तेज गेंदबाज (4)= जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और आवेश खान।

छक्के और चौके लगाने में क्लासन ओर विराट अव्वल

बेंगलुरु । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में छक्के और चौके लगाने के मामले में एक विदेशी ओर एक भारतीय क्रिकेटर सबसे आगे है । सनराइजर्स हैदराबाद के हैनरिक क्लासन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली सबसे आगे हैं । क्लासन ने अब तक सबसे अधिक 24 छक्के लगाये है जबकि रॉयल चैलेंजर्स के विराट के नाम 35 चौके हैं जिससे ये दोनो ही नंबर एक पर हैं । वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन 19 छक्कों के साथ दूसरे जबकि सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिनेश कार्तिक और राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग 18–18 छक्कों के साथ संयुक्त रुप से तीसरे स्थान पर है । वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के शिवम दूबे, मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा और दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स 15–15 छक्कों के साथ चौथे स्थान पर है । वहीं चौके के मामले में विराट 35 चौके लगाकर नंबर एक स्थान पर हैं । वहीं रोहित शर्मा और ट्रैविस माइकल हेड 28–28 चौके दूसरे नंबर पर है । ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन 25– 25 चौकों के साथ तीसरे, फाफ डु प्लेसिस 24 चौकों के साथ चौथे स्थान पर हैं ।

धीमी ओवर गति के लिए श्रेयस अय्यर पर जुर्माना लगा

कोलकाता । राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में हारी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को दोहरा झटका लगा है । उसके कप्तान श्रेयस अय्यर पर रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा है । आईपीएल की ओर से कहा गया, 'लीग की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत यह धीमी ओवर गति बनाए को लेकर उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था , इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपए का जुर्माना ही लगाया गया है । वहीं अगर ऐसा फिर होता है तो जुर्मान दोगुना हो जाएगा । इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने जोश बटलर के शतक से जीत दर्ज की थी । इस मैच में केकेआर ने पहले खेलते हुए सुनील नरेन के शतक की बदौलत 6 विकेट पर 223 रन बनाए थे । वहीं इसके जवाब में खेलने उतरी राजस्थान ने 12 ओवर में ही 121 रन पर 6 विकेट खो दिए थे पर इसके बाद बटलर ने एक छोर संभला और टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया ।

अब से हर अभ्यास सत्र अहम, ओलंपिक के 100 दिनों की उलटी गिनती पर बोले हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए 100 दिन बचे हैं और ऐसे में हर दिन, हर अभ्यास और प्रशिक्षण सत्र का इस्तेमाल इसकी तैयारियों को बेहतर करने के लिए किया जायेगा। तोक्यो ओलंपिक का कांस्य पदक विजेता भारत मौजूदा विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है। हरमनप्रीत ने कहा कि वे पेरिस में अपने तोक्यो परिणाम में सुधार करना चाहते हैं।

इस स्टार ड्रैग-फ्लिकर की टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई, जहां मेजबान टीम ने उन्हें 0-5 से हराया था। हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, 'हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक में केवल 100 दिन बचे हैं और टीम में उत्साह बढ़ रहा है।% भारतीय कप्तान ने कहा, 'स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होकर हमारी टीम की एकजुटता लगातार बढ़ रही है। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने ओलंपिक की उलटी गिनती के मद्देनजर हमारे लिए साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किये हैं।'

भारत ने पिछले साल हांग्झोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। भारत के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि पेरिस खेलों से पहले टीम को अपनी खामियों को दुरुस्त करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से हमें उन चीजों के बारे में पता चला जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। हम शिविर में लौटने पर इस पर काम करेंगे। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते हर मुद्दे को सुलझा लें।'

उन्होंने कहा, 'हम बचे हुए 100 दिनों में से हर दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की हमारी हसरत पूरी हो।' पेरिस ओलंपिक में भारत को पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ रखा गया है। भारत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश के लिए शीर्ष चार में जगह बनाने की उम्मीद करेगा।

गंभीर के कारण सफल हुए हैं नरेन : रिंकू

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के क्रिकेटर रिंकू सिंह ने कहा है कि आईपीएल के इस सत्र में कोच गौतम गंभीर के कारण ही सुनील नरेन इतने सफल हुए हैं । रिंकू के अनुसार गंभीर ने ही नरेन को पारी की शुरुआत के लिए भेजा था । उनका ये प्रयोग बेहद सफल रहा है । इसका प्रभाव साफ देखा जा सकता है । नरेन ने सत्र की शुरुतात से ही आक्रामक बल्लेबाजी की है । उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 56 गेंद में 109 रन बना दिये थे । वहीं उन्होंने निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए पिछले तीन सत्र में केवल 154 रन बनाए थे जबकि इस सत्र में बतौर सलामी बल्लेबाज छह मैच में नरेन ने 276 रन बनाये हैं । उन्होंने कहा, 'आप देख सकते हैं कि नरेन इस समय किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं । हर मैच में वह रन बना रहे हैं । इसका श्रेय गंभीर को दिया जाना चाहिये । नरेन इससे पहले साल 2017 में गंभीर की कप्तानी में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे थे ।

मशहूर कारोबारी ने बताया 2032 में कौन जीतेगा अमेरिकी चुनाव

सैन फ्रांसिस्को । तकनीक और विज्ञान फंतासी के प्रति अपने जुनून के लिए मशहूर कारोबारी एलन मस्क ने इस बार 2032 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए विचार दिए हैं। पिछले दिनों से वे आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस के लिए ज्यादा सुर्खियों में रहे हैं। अब उनका कहना है कि 2032 में होने वाला राष्ट्रपति चुनाव रोबोट जीतेगा। स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स (पूर्व नाम ट्विटर) कंपनियों के मालिक को भरोसा है कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस या एआई एक दशक के भीतर ही दुनिया पर राज करने लगेगा। 52 वर्षीय मस्क चेतावनी दे चुके हैं कि एआई एक साल के भीतर इंसानों से ज्यादा स्मार्ट हो सकती है। उन्होंने 10वें वार्षिक ब्रेकथ्रू पुरस्कार समारोह में यह भविष्यवाणी की। इन पुरस्कारों को साइंस का ऑस्कर भी कहा जाता है। समारोह में मस्क से पूछा गया था कि उन्हें क्या लगता है कि अगला राष्ट्रपति कौन होगा। उन्होंने हंसकर उत्तर दिया कि आपको क्या लगता है कि 2032 में व्हाइट हाउस कौन जीतेगा? जब उन्होंने पहले एक एक्स पोल में सवाल रखा था, तब लगभग 1.2 मिलियन वोट मिले थे। इसमें से 77.4 फीसदी वोट ट्रांसफॉर्मर को मिले थे। ट्रांसफॉर्मर 1984 में जापानी कंपनी तकारा टोमी द्वारा आविष्कार किए गए रोबोट खिलौने हैं, जो वाहनों और जानवरों जैसे अन्य रूपों में रूपांतरित हो सकते हैं। एक विशेषज्ञ ने दावा किया है कि इनब्रीडिंग एआई तकनीक इस साल के अमेरिकी चुनावों में कहर बरपा सकती है। सामग्री निर्माताओं का समय बचाने के लिए जब इसे पहली बार पेश किया गया था, तब एआई सिस्टम को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित किया गया था दृश्य, श्रव्य और पाठ की भारी मात्राएं मनुष्यों ने बनाई हैं।

दुबई में बाढ़ ने मचाई तबाही- एयरपोर्ट डूबा, स्कूल कालेज और मेट्रो भी करना पड़े बंद

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में मूसलाधार बारिश के कारण के जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है। भारी बारिश के चलते अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पानी से तरबतर हो गया और रनवे भी पानी में डूब गया। हालात बिगड़ते दे दुबई के सभी स्कूल कालेज बंद कर दिए गए हैं। दुनिया के सबसे व्यस्ततम हवाईअड्डों में से एक दुबई हवाईअड्डे की वेबसाइट पर 16 अप्रैल को दर्जनों उड़ानें रद्द दिखाई गई हैं। इनमें भारत, पाकिस्तान, सऊदी और यूनाइटेड किंगडम सहित कई देशों की फ्लाइट शामिल हैं। दुबई में भारी बारिश के कारण पूरे रेगिस्तानी देश में बाढ़ आ गई, जो आंशिक रूप से क्लाउड सीडिंग के कारण उत्पन्न हुई थी। इसके कारण दुबई के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार को आने वाली कई उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। बारिश के कारण दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को 25 मिनट के लिए ऑपरेशन रोकना भी पड़ गया। बारिश के कारण स्कूल बंद करने पड़े और यातायात ठप कर दिया। दुबई हवाई अड्डे पर मंगलवार शाम को 100 से अधिक उड़ानों के लैंड करने की उम्मीद थी। बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई समस्या की वजह से कई फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ गया। एयरपोर्ट को कुछ समय के लिए बंद रखना पड़ गया। हवाईअड्डे तक पहुंचने वाली सड़कें भी बुरी तरह जलमग्न हो गईं। यूएई की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाईदुबई ने कहा कि खराब मौसम के कारण दुबई से प्रस्थान करने वाली अपनी सभी उड़ानें अस्थायी रूप से बुधवार सुबह तक निलंबित कर दी हैं। इसी तरह के दृश्य दुबई और संयुक्त अरब अमीरात में अन्य जगहों पर देखे गए। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों के अनुसार, फ्लैगशिप शॉपिंग सेंटर दुबई मॉल और मॉल ऑफ एमिरेट्स में बाढ़ आ गई। दुबई मेट्रो स्टेशन में घुटने तक पानी भर गया। लोगों ने बारिश के बाद की स्थिति पर अपडेट साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। कुछ वीडियो में कारों को सड़कों से बहते हुए दिखाया गया, जबकि कुछ में दुबई के सबसे लोकप्रिय मॉल में पानी भर जाने के कारण एक दुकान की छत ढहती हुई दिखाई दी। अमीरात की मेट्रो बाधित हो गई। मध्य पूर्व का वित्तीय केंद्र दुबई मूसलाधार बारिश के कारण ठप हो गया है। रविवार और सोमवार को ओमान में 18 लोगों की मौत हो गई। ओमान और यूएई ने पिछले साल कॉप 28 संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता की मेजबानी की थी। दोनों ने पहले चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण और अधिक बाढ़ आने की संभावना जताई गई है।

म्यांमार नव वर्ष के मौके पर 3,000 से अधिक कैदियों को माफी

यांगून । म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद ने पारंपरिक म्यांमार नव वर्ष के पहले दिन 3,000 से अधिक कैदियों को माफी दे दी। रिपोर्ट के हवाले से परिषद ने कहा कि उनमें 3,303 म्यांमार के नागरिक और 36 विदेशी कैदी हैं, जिसमें 13 इंडोनेशियाई नागरिक और 15 श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि माफी म्यांमार के पारंपरिक नए साल के दिन दी गई है, जो लोगों के लिए खुशी का दिन है। एक अलग क्षमा आदेश में परिषद ने दक्षिण पूर्व एशियाई देश की जेलों में बंद कुछ कैदियों की सजा को छठे हिस्से तक कम कर दिया। म्यांमार में पारंपरिक नए साल पर कैदियों को माफ़ करने की प्रथा है। पिछले साल, म्यांमार के पारंपरिक नए साल के दिन 3,000 से अधिक कैदियों को रिहा किया गया था।

एफटीए वार्ता फिर शुरू के बीच ब्रिटेन ने कहा, भारत के साथ महत्वाकांक्षी समझौते पर काम जारी

लंदन । ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह भारत के साथ एक 'महत्वाकांक्षी' व्यापार समझौता करने की दिशा में काम करना जारी रखेगी। भारत के वार्ताकारों की एक टीम ने इसी सप्ताह लंदन में अपने ब्रिटिश समकक्षों के साथ बातचीत शुरू की है। व्यवसाय एवं व्यापार विभाग (डीबीटी) ने केवल ऐसे (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने के अपने रुख को दोहराया जो ब्रिटिश लोगों और अर्थव्यवस्था के सर्वोत्तम हित में हो। पिछले महीने डीबीटी अधिकारियों ने संकेत दिया था कि भारत के चरणबद्ध आम चुनाव के दौरान औपचारिक व्यापार वार्ता रोक दी गई थी। हालांकि, चार जून को चुनाव परिणाम घोषित होने तक कुछ बातचीत जारी रहने की उम्मीद थी। मंगलवार को, ब्रिटेन के अधिकारियों ने कहा कि जनवरी में शुरू हुई वार्ता के ''14वें दौर के तहत बातचीत जारी रखने'' के लिए इस सप्ताह लंदन में चर्चा फिर से शुरू हुई। डीबीटी के प्रवक्ता ने कहा, ''ब्रिटेन और भारत एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते की दिशा में काम करना जारी रख रहे हैं जो दोनों देशों के लिए काम करेगा।'' प्रवक्ता ने कहा, ''हालांकि, हम बातचीत के विवरण पर टिप्पणी नहीं करते हैं, लेकिन हम स्पष्ट हैं कि हम केवल उस समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे जो निष्पक्ष, संतुलित और अंततः ब्रिटिश लोगों और अर्थव्यवस्था के सर्वोत्तम हित में होगा।

सो सॉरी.....गलती से हो गया आपका तलाक, पति-पत्नी परेशान, जज अपना फैसला बदलने को तैयार नहीं

लंदन। देश और दुनिया में शादी शुदा जोड़ों के लिए तलाक की प्रक्रिया अलग-अलग है। कई देश हैं, जहां आसानी से तलाक मिल जाते हैं। वहीं भारत सहित कई देश हैं, जहां तलाक के लिए सालों लग जाते हैं। लेकिन हाल में लंदन से एक ऐसा मामला सामने आया है कि कोई भी हैरान रह जाए। दरअसल, यहां कोर्ट ने एक कपल का गलती से तलाक करा दिया। दरअसल, आयशा वरदाग की लंदन बेस्ड लॉ फर्म के सॉलिसिटर की एक गलती के चलते ये सब हो गया। नतीजा ये हुआ कि जज ने फैसला वापस लेने से इंकार कर दिया। मिस्टर एंड मिसेज विलियम्स कहे जाने वाले इस जोड़े की शादी को 2023 तक 21 साल हो चुके थे लेकिन अदालत ने अब उनका तलाक करा दिया है। इस कपल को तलाक लेना ही था लेकिन वे अभी भी अपने सेपरेशन के लिए वित्तीय एग्रीमेंट्स की व्यवस्था करने की प्रक्रिया में थे। इसी बीच किसी और कपल के तलाक के फाइनल ऑर्डर के दौरान वरदाग के क्लर्क ने कंप्यूटर पर ड्रॉप डाउन मेन्यु से मिस्टर एंड मिसेज विलियम्स का नाम सलेक्ट कर दिया। इस तरह 21 मिनट में दोनों का तलाक हो गया। वहीं जज को जब गलती के बारे में बताया गया तब जज ने फैसला बदलने से इंकार कर दिया और कहा कि कोर्ट के फैसले पर जनता का विश्वास ज्यादा जरूरी है।

ओटावा में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और वित्तमंत्री क्रिस्टिया बजट पेश करने जाने से पहले तस्वीरें खिंचाते हुए।

ईरान क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा

-इंडोनेशिया के विदेश मंत्री से ईरानी विदेश मंत्री ने की फोन पर बात

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने इंडोनेशिया के विदेश मंत्री रेटनो मार्सुडी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि ईरान क्षेत्र में तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है। इस दौरान दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व में वर्तमान घटनाओं पर बात की, जिसमें इजरायल पर ईरान के बड़े पैमाने पर जवाबी हमले और गाजा पट्टी की स्थिति के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंध भी शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्री अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा कि ईरान हमेशा क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इजरायल क्षेत्र में तनाव और युद्ध का मूल कारण है। विदेश मंत्री ने एक अप्रैल को सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर इजरायल के कथित हमले की इंडोनेशिया की निंदा की सराहना की और इजरायली हमले को आक्रामकता का कार्य बताया। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इजरायल के खिलाफ ईरान का ड्रोन और मिसाइल हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में था। इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने अपनी ओर से फिलिस्तीनी मुद्दे पर द्विपक्षीय सहयोग जारी रखने का आह्वान करते हुए कहा कि गाजा संकट को नहीं भूलना चाहिए और फिलिस्तीनी मुद्दे को जीवित रखना चाहिए। उन्होने कहा कहा इजराइल-हमास युद्ध का समाधान निकलना चाहिए।

अमेरिकी खुफिया अधिकारी का खुलासा: भारत के डर से... कंगाल पाकिस्तान बढ़ा रहा परमाणु हथियारों का जखीरा

वाशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तान के वर्तमान में जो हालात हैं, वहां एक-एक पैसे के लिए मोहताज है। आटा, चावल, दाल, तेल, कपड़ा से लेकर इंसान की रोजमर्रा की जरूरत की तमाम चीजों के दाम आसामना छू रहे हैं। इन हालातों में भी पाकिस्तान अपनी कंगाली से उबरने के बजाय मिसाइलों पर जमकर खर्चा कर रहा है। इसकी चर्चे अमेरिकी संसद तक में हो रहे हैं।

अमेरिकी खुफिया शीर्ष अधिकारी जेफरी क्रूस ने बताया कि पाकिस्तान ने पिछले साल अपने परमाणु हथियारों को अपग्रेड किया है। उनका कहना है कि इसकी वजह भारत है। भारत के साथ विवादास्पद रिश्तों के कारण पाकिस्तान अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत करने में जुटा है।

परमाणु हथियारों की बात करे तब पाकिस्तान के पास अभी 170 वॉर हेड्स हैं, जिनकी संख्या अगले साल 200 तक पहुंच सकती है। पिछले साल 11 सितंबर को छपे न्यूक्लियर नोटबुक कॉलम के हवाले से यह जानकारी दी थी. इसमें कहा गया, हमारा अंदाजा है कि पाकिस्तान के पास 170 के करीब परमाणु हथियार हैं। साल 1999 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने अनुमान लगाया था कि पाकिस्तान के पास साल 2020 तक 60 से 80 के बीच न्यूक्लियर वेपन हो

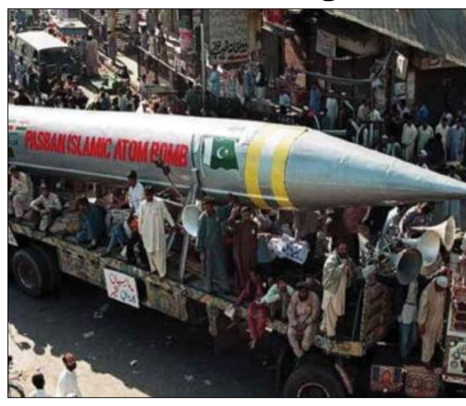

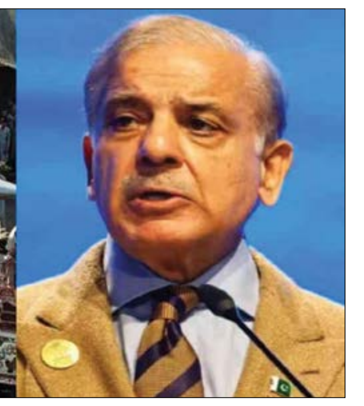

सकते हैं, लेकिन उसके पास इससे ज्यादा हथियार मौजूद हैं, जो आने वाले सालों के लिए ज्यादा अनुमान की ओर इशारा करता है।

अमेरिकी साइंटिस्टों ने कहा कि वर्तमान की रफ्तार को देखकर अंदाजा है कि 2025 तक पाकिस्तान के पास 200 वॉरहेड्स हो सकते हैं। हालांकि, इस अनुमानित आंकड़े का आकार कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है। जैसे, पाकिस्तान कितने परमाणु लॉन्चर तैनात करने की योजना बना रहा है, कैसे उसकी परमाणु रणनीति विकसित होती है और भारत अपने परमाणु शास्त्रागार को कितना बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि अनुमान है कि पाकिस्तान हर साल 14 से 27 हथियार बनाने के लिए सामग्री का उत्पादन कर रहा है। हालांकि, हमारा अंदाजा है कि वह हर साल 5 से 10 हथियार ही बना रहा होगा।

न्यूक्लियर नोटबुक कॉलम साल 1987 से बुलेटिन ऑफ एटॉमिक साइंटिस्ट में लगातार छपता आ रहा है। यह फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट के न्यूक्लियर इंफोर्मेशम प्रोजेक्ट की टीम की ओर से तैयार किया जाता है।

ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी की में अमेरिका, किया साफ- हम हिचकेंगे नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इजराइल पर अभूतपूर्व हमले को लेकर ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की योजना बनाई है, ताकि इजराइल को बड़े पैमाने पर तनाव बढ़ने से रोका जा सके क्योंकि प्रतिक्रिया तय करने के लिए उसकी युद्ध कैबिनेट बुधवार को तीसरी बार बैठक करने वाली थी। हालांकि शनिवार रात के हमले में कोई मौत नहीं हुई और इजरायल और उसके सहयोगियों की हवाई सुरक्षा और जवाबी कार्रवाई के कारण बहुत कम क्षति हुई, लेकिन इससे यह आशंका बढ़ गई है कि छह महीने पुराने गाजा युद्ध में निहित हिंसा फैल रही है, जिससे लंबे समय तक खुले युद्ध का खतरा है।

इज़राइल के सैन्य प्रमुख हज़ी हलेवी ने वादा किया था कि ईरान द्वारा इज़राइली क्षेत्र में 300 से अधिक मिसाइलें, क्रूज़ मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च करने का जवाब दिया जाएगा। लेकिन उन्होंने कोई विवरण नहीं दिया। इज़रायली सरकार के एक सूत्र ने कहा कि मंगलवार को होने वाला युद्ध कैबिनेट सत्र बिना विस्तृत जानकारी दिए बुधवार तक के लिए टाल दिया गया है। इज़राइल को बड़े पैमाने पर प्रतिशोध से दूर रखने की उम्मीद में, अमेरिका और यूरोप ने ईरान के खिलाफ आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंधों को सख्त करने का संकेत दिया।

क्या श्रीलंका में मिल गया लंका के राजा रावण का महल ...

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में एक विशालकाय चट्टान के ऊपर एक खोए हुए प्राचीन शहर की खोज से पुरातत्वविद और इतिहासकार हैरान हैं। श्रीलंका के मध्य में मौजूद सिगरिया शहर के खंडहर यहां आने वालों को आश्चर्य से भर देते हैं। यह मौजूदा अवशेष बताते हैं कि यह एक विशाल नगर था, जो पहली नजर में किसी राजा की राजधानी जैसा मालूम पड़ता है। यह एक ऊंची चट्टान पर स्थित है और इसके निर्माण की तकनीक आज भी पुरातत्वों को चकित कर देती है। ये अपने दौर की शानदार इंजीनियरिंग का नमूना पेश करता है। कुछ लोग कहते हैं कि एक महत्वपूर्ण बौद्ध मठ था, जबकि यहां मिली चीजों के आधार पर कुछ लोगों का मानना है कि हिंदू धर्मग्रंथ रामायण में वर्णित लंका के राजा रावण का महल था। सिगरिया आज श्रीलंका के सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में शामिल है। इस दुनिया के आश्चर्यों में गिना जाता है। 180 मीटर ऊंची चट्टान पर स्थित इस महल के पास जाने पर इसके रहस्य उजागर होते हैं। सिगरिया को शेर की चट्टान के नाम से भी जाना जाता है और यह इतनी ऊंची है कि जंगल के बाहर से ही नजर आती है। लिखित अभिलेख बताते हैं कि यह प्राचीन राजा कश्यप की राजधानी हुआ करती थी। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि राजा कश्यप ने इस जगह को अपनी ऐशगाह के रूप में तैयार किया था। फिलहाल, यह यूनेस्को के स्मारकों में शामिल है। इतिहास की किताबों से अलग, कई इतिहासकार हैं जो सिगरिया का संबंध रामायण में बताए गए लंकापति रावण से जोड़ते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस चट्टान के शीर्ष पर 5000 साल पहले रावण का महल हुआ था, जिसे धन देवता कुबेर ने बनाया था। कहा जाता है कि इस महल में 1000 सीढ़ियों के साथ ही शीर्ष पर जाने के लिए लिफ्ट का इस्तेमाल किया जाता था। पांच हजार साल पहले लिफ्ट की कल्पना ही रोमांचित करने वाली है। चट्टानी पठार के नीचे की ओर देखने पर इसमें कई गुफाएं नजर आती हैं। गुफा की दीवारों पर अभी भी बहुत सारे चमकीले भित्ति चित्र दिखाई देते हैं जो रायाण के युग की कहानी को दिखाते हैं। इन चित्रों में कई महिलाओं के चित्र भी हैं, जिनसे बारे में माना जाता है कि यह रावण की कई पत्नियों के चित्र हैं।

ईरान से बदले का दावा: इजरायल ने हिजबुल्लाह के दो टॉप कमांडरों को लेबनान में मार गिराया

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच चल रही तनातनी कम होने का नाम नहीं ले रही है। दोनों देशों के बीच आए दिन एक नया विवाद दिखाई देता है। अब ईरान के हमले के बाद इजरायल ने बदला लेने का दावा किया है। इजरायल ने मंगलवार रात लेबनान में निशाना बनाकर किए गए हमले में ईरान के द्वारा तैयार हथियारबंद गुट हिजबुल्लाह के दो कमांडरों को ढेर कर दिया। मारे जाने वालों में हिजबुल्लाह का शीर्ष कमांडर इस्माइल यूसुफ बाज भी शामिल है, जिसने इजरायल के खिलाफ मिसाइल हमलों की योजना बनाई थी। इजरायली रक्षा बल ने ये जानकारी दी है। आईडीएफ ने दावा किया कि उसके एक विमान ने मंगलवार को इजरायल की सीमा से 7 किलोमीटर दूर स्थित लेबनान के एन एबेल क्षेत्र में हमला कर इस्माइल यूसुफ को मार गिराया।

हिजबुल्लाह ने अभी तक आईडीएफ के हमले में अपने कमांडरों की मौत के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। इजरायल की ताजा कार्रवाई ईरान के उस हमले के बाद हुई है, जिसमें ईरानी सेना ने उसके ऊपर 300 से ज्यादा मिसाइलें और किलर ड्रोन दागे थे। इजरायल इसके पहले भी लेबनान में हिजबुल्लाह के कई कमांडरों को निशाना बना चुका है। आईडीएफ प्रवक्ता ने कहा, इस्माइल लेबनान के भीतर से इजरायल के ऊपर रॉकेट और एंटी-टैंक मिसाइल हमले की योजना बनाने में

शामिल था। युद्ध के दौरान उसने इजरायल के खिलाफ कई आतंकी हमलों की योजना बनाई। हिजबुल्लाह की रॉकेट और मिसाइल यूनिट के कमांडर मुहम्मद मुस्तफा को भी मार गिराया है। एक अलग बयान में आईडीएफ ने कहा, कफार दूनीन क्षेत्र पर किए गए हवाई हमले में हिजबुल्लाह कमांडर मोहम्मद हुसैन मुस्तफा शेचोरी को मार गिराया। मोहम्मद लेबनान के केंद्रीय इलाके से इजरायल पर मिसाइल हमले की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार था। हमले के दौरान हिजबुल्लाह की रॉकेट और मिसाइल यूनिट का एक आंतकवादी इब्राहिम फादेल-अल्लाह भी मारा गया।

इससे पहले बीते मार्च में आईडीएफ ने हिजबुल्लाह की रॉकेट और मिसाइल यूनिट के डिप्टी कमांडर असी अहेद अखसन नईम को ढेर कर दिया था। हमले का वीडियो भी जारी किया गया था। नईम की कार को इजरायली ड्रोन ने दक्षिणी लेबनान में एक सड़क पर निशाना बनाया था। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच मंगलवार को भारी गोलीबारी हुई थी। ईरान समर्थित चरमपंथी समूह ने इजरायल के ऊपर विस्फोटक से भरे ड्रोन लॉन्च किए थे। स्थानीय रिपोर्ट से पता चलता है कि हमलों में तीन लोग घायल हुए हैं। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसने बीट हिलेल में इजरायल के आयरन डोम डिफेंस को निशाना बनाया। चरमपंथी गुट ने हमले में कई इजरायली जवानों के मारे जाने का दावा किया।

सूडान हिंसा से करीब 18 मिलियन लोग भुखमरी की कगार पर

- इस गृहयुद्ध का अब बच्चों के भविष्य पर भी पड़ रहा असर

- संघर्ष में अब तक 14,600 से ज्यादा लोगों की हो चुकी मौत

खरतौम (एजेंसी)। सूडान में हिंसक संघर्ष को एक साल हो गया। देश में सालभर से चल रही हिंसा का यह दौर अब खतरनाक स्थिति में पहुंच चुका है इस हिंसा के चलते अब यहां लोगों के सामने भूखमरी, बेरोजगारी जैसी समस्या पैदा हो गई है। हाल ही में यूनिसेफ की आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस गृहयुद्ध का अब बच्चों के भविष्य पर भी पड़ रहा है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे जिस कारण उनकी पढ़ाई एक तरह से ठप हो गई है।

यूएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के कारण सूडान में अब तक लगभग 18 मिलियन लोग भुखमरी की कगार पर हैं, जिनमें 5 मिलियन लोग इमरजेंसी लेवल पर हैं। 5 साल से कम उम्र के 3.5 मिलियन बच्चे यानी हर सातवां बच्चा कुपोषण का शिकार हो चुका है और यहां का मृत्यु दर भी बेहद चौंकाने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार यहां के लगभग 19 मिलियन स्कूली बच्चों में से 90 फीसदी से ज्यादा बच्चों के पास औपचारिक रूप से शिक्षा की पहुंच नहीं है। रिपोर्ट में दावा किया है जाहिर है कि इससे इस देश के भविष्य में सबसे बड़ा संकट पैदा हो सकता है। यूनीसेफ ने इसी रिपोर्ट में कहा कि सूडान में कुपोषण से ग्रसित आधे से ज्यादा बच्चे युद्ध वाले क्षेत्र से हैं, जहां पर आम सुविधाएं मुहैया करना बेहद मुश्किल है। उनके मुताबिक भुखमरी और कुपोषण बच्चों को मौत की तरफ धकेल रही है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, सूडान संघर्ष में अब तक 14,600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इतना ही नहीं इस संघर्ष में लगभग 10.7 लाख से ज्यादा लोगों बेघर हो गए है। इस युद्ध के कारण पूरे देश का राजनीतिक, मेडिकल और आर्थिक ढांचा ढह गया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 46 लाख की आबादी वाले सूडान में 25 लाख को तुरंत मदद की जरुरत है। फरवरी में इस देश में हैजा के मरीजों की संख्या 10,700 तक पहुंच गई थी. जिसके कारण देश के लगभग 80 फीसदी अस्पताल बंद हो गए थे।

ये है संघर्ष शुरु होने की वजह

15 अप्रैल 2023 को सूडानी सशस्त्र बल प्रमुख अब्देल फतह अल-बुरहान और उनके पूर्व डिप्टी मोहम्मद हमदान डागलो, अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के कमांडर के बीच सत्ता को लेकर जंग छिड़ गई थी। जिसकी कीमत पूरा देश चुका रहा है। सूडान को साल 1956 में आजादी मिली थी। उसके बाद से अब तक 35 बार इस देश में तख्तापलट या उसकी कोशिश हो चुकी है। 2019 में लंबे समय तक तानाशाह उमर अल-बशीर के खिलाफ विद्रोह हुआ और उनको सत्ता से बेहखदल कर एक सैन्य-नागरिक संक्रमणकालीन सरकार बनाई गई, तो सूडानी नागरिकों में एक उम्मीद जगी थी। उन्हें उम्मीद थी कि उनका देश लोकतांत्रिक शासन में परिवर्तित हो जाएगा। लेकिन ये उम्मीदें अक्टूबर 2021 में धराशायी हो गईं जब अब्देल फतह अल-बुरहान ने संक्रमणकालीन सरकार में अपने नागरिक समकक्षों के खिलाफ तख्तापलट कर दिया। इसके बाद से ही सेना और अर्धसैनिक बल आमने-सामने गए और

गृहयुद्ध की स्थिति बन गई। फिल्हाल देश को सेना और आरएसएफ चला रहे हैं।

सूडान सरकार की असली कमान सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतेह अल बुरहान के हाथों में है। वे एक तरह से देश के राष्ट्रपति हैं। वहीं सॉवरेन काउंसिल के डिप्टी और आरएसएफ़ प्रमुख मोहम्मद हमदान दगालो देश के दूसरे नंबर के नेता हैं। इन्हीं दोनों के बीच यह लड़ाई है। युद्ध की मुख्य वजह सेना और अर्धसैनिक बल आरएसएफ के विलय को लेकर है। इस विवाद के बीच सबसे बड़ा सवाल है कि करीब एक लाख की तादाद वाली रैपिड सपोर्ट फ़ोर्स का अगर सेना में विलय हो जाता है तो सभी का नेतृत्व कौन करेगा। क्या सारी शक्ति जनरल अब्देल फत्तह अल बुरहान के हाथों में होगी या मोहम्मद हमदान दगालो के हाथों में।

कंगुवा से जारी हुआ सूर्या का फर्स्ट लुक, दोहरी भूमिका में नजर आएंगे

सूर्या ने अपने ऑफीशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस को अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा के पहले पोस्टर के साथ सर्प्राइज दिया है। इस पोस्टर में एक्टर डबल रोल में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में एक्टर डबल रोल में आमने सामने खड़े दिखा रहे हैं। फिल्म निर्माताओं द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक एक्टर का इस फिल्म में एक रोल आज से 500 साल पुराना होगा, वहीं उनका दूसरा रोल आज के समय का होगा। एक्टर के शेयर किए गए इस पोस्टर को अब तक लाखों फैंस ने लाइक किया है। इसके साथ ही फैंस उन्हें इस फिल्म के लिए बधाई भी दे रहे हैं। वहीं एक यूजर ने कमेंट में एक्टर से इस फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी सवाल किया है।

दस भाषाओं मे रिलीज होगी फिल्म

बता दें कंगुवा एक पीरियड ड्रामा फिल्म होने वाली है। सिरुथाई शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का बजट 300 करोड़ बताया जा रहा है। इस फिल्म में 500 साल पुरानी कहानी को आज के समय से जोड़ा जाएगा। बात करें फिल्म की कास्ट की तो फिल्म में सूर्या के साथ साथ बॉबी देओल भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में एक्टर निगेटिव रोल प्ले कर रहे हैं। इससे पहले बॉबी देओल ने रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में निगेटिव रोल प्ले किया था। उनके इस अवतार को फैंस ने खूब पसंद किया था। फिल्म 10 भाषाओं में रिलीज होगी। हालांकि अब तक इस फिल्म की रिलीज डेट को लेकर किसी तरह का खुलासा नहीं किया गया है।

खतरों के खिलाड़ी 14 के लिए मेकर्स ने शिल्पा शिंदे को किया अप्रोच

रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी जल्द ही 14वें सीजन के साथ लौट रहा है। इस बार शो यूरोप के रूमानिया शहर में शूट किया जाएगा। बता दें, फिल्ममेकर रोहित शेट्टी इस सीजन में भी बतौर होस्ट नजर आएंगे। माना जा रहा है कि इस सीजन से एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे टेलीविजन पर अपना कमबैक कर सकती हैं। सूत्रों की मानें तो अभिनेत्री ने शो में बतौर कंटेस्टेंट पार्टिसिपेट करने की हामी भर दी है। हालांकि, अब तक उन्होंने कोई ऑफिशियल कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है। शिल्पा शिंदे टीवी शो भाभीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर पॉपुलर हुई थीं, हालांकि 2016 में उन्हें शो से रिप्लेस कर दिया गया था। वे आखिरी बार शो मैडम सर में एक कैमियो रोल में नजर आई थी। शिल्पा के अलावा, मेकर्स ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी कई जानी-मानी पर्सनालिटीज को भी एप्रोच किया है। डालते हैं संभावित लिस्ट पर एक नजर -

विवेक दहिया

टीवी एक्टर विवेक दहिया को झलक दिखला जा 11 में भी देखा गया था। ञ्चञ्च 14 के मेकर्स ने उनसे शो में बतौर कंटेस्टेंट पार्टिसिपेट करने के संपर्क किया है। बता दे, विवेक की पत्नी दिव्यांका त्रिपाठी भी खतरों के खिलाड़ी 11 की प्रतियोगी थीं।

अभिषेक कुमार

अभिषेक कुमार ने बिग बॉस 17 में अपनी उपस्थिति से कई दिल जीते थे। वह बिग बॉस 17 के पहले रनर अप थे। वह खतरों के खिलाड़ी 14 में भी नजर आ सकते हैं क्योंकि उन्हें रोहित शेट्टी ने सबसे पहले अपने शो के लिए चुना था। हालांकि, अभी तक एक्टर की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

मनारा चोपड़ा

एक्ट्रेस और मॉडल मन्नारा चोपड़ा सलमान खान के बिग बॉस 17 की दूसरी रनर-अप थीं। अब वे रोहित शेट्टी की खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आ सकती हैं।

मनीषा रानी

बिग बॉस ओटीटी 2 और झलक दिखला जा 11 की प्रतियोगी मनीषा रानी के ञ्चञ्च 14 में नजर आने की सबसे अधिक संभावना है।

हेली शाह

पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस हेली शाह भी KKK14 के संभावित प्रतियोगियों की लिस्ट में हैं। आखिरी बार वे सीरियल इश्क में मरजावां ने नजर आई थीं।

नील भट्ट

KKK14 में एक्टर-डांसर नील भट्ट भी नजर आ सकते हैं। नील की पत्नी ऐश्वर्या शर्मा भी खतरों के खिलाड़ी 13 का हिस्सा रह चुकी हैं।

जिया शंकर

शो में भाग लेने के लिए बिग बॉस ओटीटी 2 फेम जिया शंकर से भी मेकर्स ने संपर्क किया है।

शोएब इब्राहिम

एक्टर और दीपिका कक्कड़ के पति शोएब इब्राहिम झलक दिखला जा 11 के बाद KKK14 में नजर आ सकते हैं।

राधिका मुथुकुमार

सीरियल दो चुटकी सिन्दूर की एक्ट्रेस राधिका मुथुकुमार खतरों के खिलाड़ी के नए सीजन में नजर आ सकती हैं।

फिल्मी पर्दे पर अपनी कहानी दिखाना चाहती हैं नोरा

नोरा फतेही ने 'क्रैक' के अच्छा प्रदर्शन ना कर पाने पर खुलकर अपने विचार साझा किए। इस दौरान उन्होंने अपनी कहानी को फिल्मी पर्दे पर दिखाने की इच्छा भी जाहिर की।

नोरा फतेही बॉलीवुड का एक ऐसा नाम बन चुकी हैं, जो किसी पहचान की मोहताज नहीं। अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही ने भारतीय सिनेमा में एक डांसर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की। अभिनेत्री अपने डांस के लिए तो मशहूर हैं ही, लेकिन अब उनकी अदाकारी को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। हाल ही में उनकी दो फिल्में 'मडगांव एक्सप्रेस' और 'क्रैक' रिलीज हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री नोरा फतेही ने अपनी कहानी को फिल्मी पर्दे पर दिखाने की इच्छा जाहिर की है।

बॉक्स ऑफिस अंक नहीं रखता मायने

नोरा फतेही ने एक साक्षात्कार में अपनी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' और 'क्रैक' के प्रदर्शन को लेकर बातचीत की। अभिनेत्री की दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औसत रहीं। इसी बातचीत के दौरान उन्होंने अपने जीवन की कहानी को फिल्मी पर्दे पर दिखाने की इच्छा भी जाहिर की। फिल्मों के प्रदर्शन को लेकर नोरा ने कहा कि बॉक्स ऑफिस अंक उनके लिए उतना मायने नहीं रखता। वह इस समय अपना ध्यान अपनी लाइफ जर्नी पर केंद्रित कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी कहानी में बॉक्स ऑफिस की कोई चर्चा नहीं होगी, वह किसी और की कहानी होगी। जब फिल्में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती, मैं खुद से कहती हूं ठीक है कोई बात नहीं। कम से कम मुझे फिल्म करने का मौका तो मिला'। नोरा अपने करियर को लेकर विशेष दृष्टिकोण रखती हैं। वह इस बात पर जोर देती हैं कि बॉक्स ऑफिस सफलता उनका मुख्य उद्देश्य नहीं है। अभिनेत्री प्राप्त अवसरों को अपने कलात्मकता को बढ़ाने के लिए उपयोग करती हैं।

फिल्म की असफलता पर अच्छा महसूस करती हैं नोरा

बातचीत के दौरान नोरा ने खुलकर कहा, 'कई बार लोग 'क्रैक' के अच्छा प्रदर्शन ना करने के बारे में मुझसे पूछते हैं कि मैं कैसा महसूस करती हूं? मैं उनसे कहती हूं 'मैं बहुत अच्छा महसूस करती हूं'। मैं इंडस्ट्री में बड़े नंबर्स के लिए नहीं आई हूं। मैं बॉक्स ऑफिस अदाकारा नहीं हूं।' अभिनेत्री ने 'बाटला हाउस' और 'स्ट्रीट डांसर थ्रीडी' में डांस नंबर से शुरुआत की और अब अदाकारी में भी अपना हाथ आजमा रही हैं।

आर्टिकल 370 के लिए यामी गौतम ने जताया दर्शकों का आभार

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम स्टारर आर्टिकल 370 को दर्शकों की खूब सराहना मिली। इसके साथ ही फिल्म में यामी के अभिनय प्रदर्शन की भी खूब तारीफ हुई है। यह फिल्म कश्मीर में आतंकवाद के बढ़ने और इसके खिलाफ सरकार की लड़ाई पर आधारित है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जबर्दस्त कलेक्शन किया है। अभी भी ये फिल्म सिनेमाघरों में लगी हुई है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिले प्यार के लिए यामी ने दर्शकों को आभा व्यक्त किया है। यामी गौतम ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए दर्शकों के लिए एक धन्यवाद नोट लिखा है।

अभिनेत्री ने लिखा, आर्टिकल 370 की शूटिंग के पहले दिन से लेकर सिनेमाघरों में अभी भी सफलतापूर्वक चल रही फिल्म के 50 गौरवशाली दिनों का समय बीत चुका है। मुझे यह खास अवसर देने के लिए मैं आदित्य धर फिल्म्स की बेहद आभारी हूं। एक शानदार निर्माता होने के लिए लोकेश धर का विशेष धन्यवाद। उन्होंने आगे लिखा, फिल्म में जान डालने के लिए निर्देशक, लेखकों, अभिनेताओं और एडिटिंग समेत पूरी टीम को धन्यवाद। यामी ने लिखा, मैं अपने दर्शकों का इस विश्वास को बहाल करने के लिए आभारी हूं कि वे हमेशा ऐसे सिनेमा को अपनाएंगे और उसका जश्न मनाएंगे।

मिस्टर एंड मिसेज माही की रिलीज के लिए उत्साहित हैं आलिया

जान्हवी कपूर और राजकुमार राव की अगली फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई 2024 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिलीज से पहले निर्माताओं ने एक नया पोस्टर साझा किया जिसमें मुख्य कलाकार क्रिकेट वर्दी में नजर आ रहे हैं। फिल्म की रिलीज के लिए जान्हवी और राजकुमार राव ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट भी उत्साहित हैं। आलिया ने फिल्म के पोस्टर पर प्यार लुटाते हुए बताया कि वे फिल्म देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकतीं। आलिया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कैन्ट वेट शैरी कैप्शन के साथ पोस्टर शेयर किया, जान्हवी ने भी अपनी प्रतिक्रिया साझा की राजकुमार महेंद्र सिंह धोनी का किरदार निभाएंगे, जबकि जान्हवी महिमा नामक किरदार की भूमिका निभाएंगी।

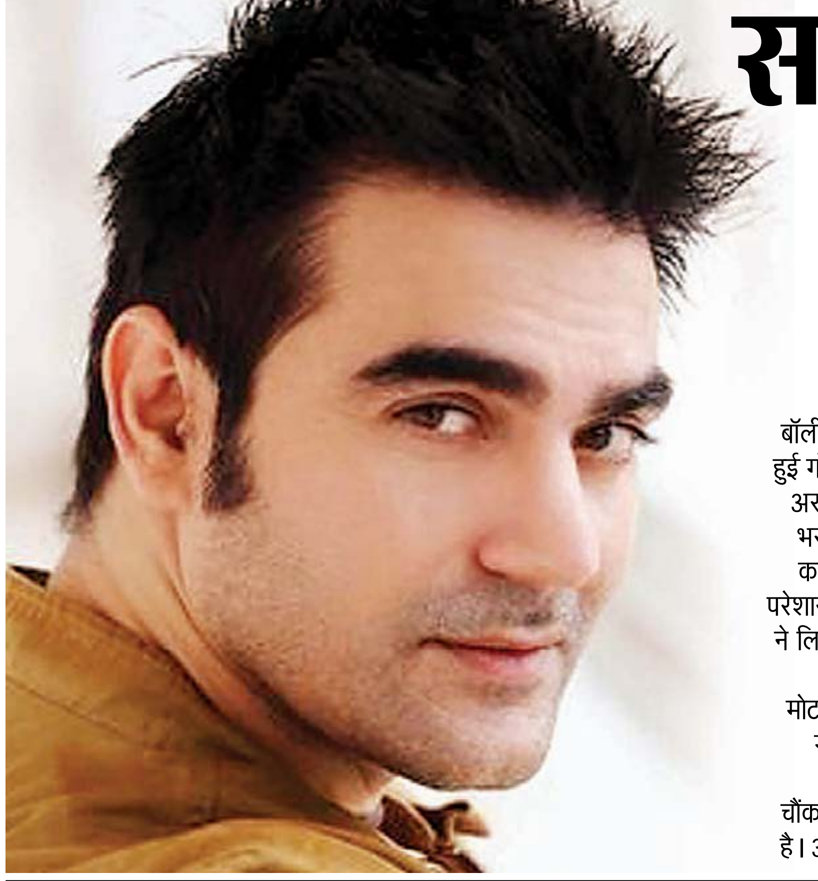

सलमान के घर के बाहर हुई फायरिंग पर बोले अरबाज

14 अप्रैल को सुबह करीब पांच बजे मुंबई के बांद्रा में सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने चार राउंड फायरिंग की, जिसके बाद से कई तरह की जानकारियां सामने आईं। पुलिस की जांच जारी है। कई सितारे और राजनेता सलमान खान का हाल-चाल जानने गैलेक्सी अपार्टमेंट भी पहुंचे। वहीं कई यूजर्स ने इसे सलमान खान द्वारा किया गया पब्लिसिटी स्टंट भी बताया। वहीं कई खबरें आईं, जिनमें कहा गया कि फायरिंग मामले में सलमान के परिवार और उनके पिता सलीम खान ने प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, अब फायरिंग के बाद पहली बार खान परिवार की ओर से आधिकारिक बयान जारी किया गया है।

अभिनेता और निर्माता अरबाज खान ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया।

सलमान खान के भाई अरबाज खान ने बॉलीवुड अभिनेता के मुंबई आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना पर प्रतिक्रिया दी है। अरबाज ने कहा कि परिवार को पुलिस पर भरोसा है और वह जांच में उनका सहयोग कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने इस घटना को परेशान करने वाला बताया। पोस्ट में अरबाज ने लिखा, हाल ही में सलीम खान परिवार के निवास स्थान गैलेक्सी अपार्टमेंट में मोटरसाइकिल पर दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोलीबारी की घटना बहुत परेशान करने वाली और परेशान करने वाली है। इस चौंकाने वाली घटना से हमारा परिवार स्तब्ध है। अभिनेता ने आगे लिखा, दुर्भाग्य से कुछ लोग हमारे परिवार के करीबी होने का दावा करने वाले और प्रवक्ता होने का दिखावा करने वाले मीडिया में अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं और कह रहे हैं कि यह सब एक प्रचार स्टंट है और परिवार अप्रभावित रहेगा, जो सच नहीं है और सलीम के किसी भी सदस्य को इन विचारों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए, खान परिवार ने इस घटना को लेकर मीडिया में कोई बयान दिया है।

अरबाज खान ने आगे लिखा, इस समय परिवार इस अप्रिय घटना की जांच में पुलिस की मदद और सहयोग कर रहा है। हमें मुंबई पुलिस पर भरोसा है और हमें आश्वासन दिया गया है कि वे हमारे परिवार की सुरक्षा और सुरक्षा के लिए अपनी क्षमता में सब कुछ करेंगे। आप सभी को धन्यवाद आपके प्यार और समर्थन के लिए।

इस बीच सलमान के घर के बाहर हुई फायरिंग के कुछ घंटे बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने घटना की जिम्मेदारी ली। सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए कहा गया कि यह केवल ट्रेलर था। घटना के बाद अभिनेता की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मुंबई पुलिस ने कहा कि जब गोलीबारी हुई, तब सलमान घर में ही थे। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई और वांटेड गैंगस्टर गोल्डी बरार ने कई बार घोषणा की थी कि वे सलमान खान को मारने की योजना बना रहे हैं। पिछले साल मार्च और नवंबर में सलमान खान को कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से ऑनलाइन धमकियां मिली थीं।

ढोलर बारियावाड में निकाली गई माताजी की शोभायात्रा में पहुंचे सांसद लालू पटेल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 अप्रैल। ढोलर बारियावाड में माताजी की शोभायात्रा निकाली गई थी। जिसमें ढोलर बारियावाड के श्रद्धालु बडी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद लालू पटेल एवं पटलारा पूर्व सरपंच विजय पटेल ने इस धार्मिक कार्यक्रम में माताजी की पालखी भी कंधे पर उठाई।

श्री राम शोभायात्रा का दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन की टीम ने किया स्वागत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 अप्रैल। रामनवमी पर दमण में श्री राम शोभायात्रा निकाली गई थी। इस शोभायात्रा का राम भक्तों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया। इसी क्रम में दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के चेयरमैन लखम टंडेल, सेक्रेटरी कैलाश शर्मा और डीडीए की टीम ने श्री राम शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया।

दीव में श्री वणाकबारा संयुक्त कोली समाज ने धूमधाम से मनाई रामनवमी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 17 अप्रैल। दीव में श्री वणाकबारा संयुक्त कोली समाज द्वारा श्री महाकालेश्वर महादेव मंदिर में भव्य रामनवमी मनाई गई। आज दोपहर 12 बजे श्री महाकालेश्वर महादेव मंदिर में महाआरती तथा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। दोपहर 3.30 बजे शोभायात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों पर घूमी। इस दौरान बडी संख्या में लोग शोभायात्रा में शामिल हुए और प्रभु श्री राम के दर्शन किये। वणाकबारा में संयुक्त कोली समाज द्वारा हर वर्ष धूमधाम से रामनवमी मनाई जाती है। इस वर्ष आयोजित रामनवमी कार्यक्रम में वणाकबारा संयुक्त कोली समाज के प्रमुखों, अग्रणियों एवं बडी संख्या में भाविक भक्तों की उपस्थिति रही।

श्री बटुक हनुमान मंदिर और विश्व हिन्दू परिषद ने मनाया राम जन्मोत्सव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 17 अप्रैल। श्री बटुक हनुमान मंदिर और विश्व हिन्दू परिषद ने राम जन्मोत्सव मनाया। दीव के घोघला चेकपोस्ट के पास अहमदपुर मांडवी के श्री बटुक हनुमान मंदिर से रामनवमी पर बाइक रैली निकाली गई। इस बाइक रैली में बडी संख्या में राम भक्त शामिल हुए। यह बाइक रैली जय श्री राम के नारे के साथ मेन रोड से होकर दीव के घोघला लाखवाई मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। यहां से राम भक्तों द्वारा पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में बडी संख्या में महिला एवं पुरुष शामिल हुए।

समस्त हिन्दू समाज ने रामनवमी पर निकाली शोभायात्रा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 17 अप्रैल। समस्त हिन्दू समाज द्वारा रामनवमी पर फुदम के गंगेश्वर महादेव मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा फुदम मेन रोड से दीव पहुंची, दीव मेन रोड से झापा होते हुए लुहारवाडा से गायत्री मंदिर विस्तार में घूमी। जहां पर आरती उतारी गई और गरबा का आयोजन हुआ। इस शोभायात्रा में गायत्री परिवार कलश यात्रा के साथ शामिल हुआ। पूरे शोभायात्रा के दौरान जय श्री राम के नारे से पूरा वातावरण राममय बन गया।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दीव के नागवा में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 17 अप्रैल। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दीव के नागवा में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नागवा के राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में नुक्कड नाटक के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरुक किया गया। अहमदाबाद से आये राजू जोशी एवं उनके ग्रुप द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से मतदाताओं को मतदान का महत्व, वोट का महत्व एवं मतदान जरुर करने सहित की जानकारी दी गई। साथ ही मतदाताओं को मताधिकार के बारे में भी बताया गया।

मिशन 2024 का घमासान: 102 सीटों पर थमा प्रचार, 19 को मतदान

■ 8 केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल की किस्मत दांव पर

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार अभियान बुधवार की शाम थम गया। 19 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग होगी। देश के 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर कुल 1626 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। पहले चरण में आठ केंद्रीय मंत्री दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल की किस्मत दांव पर है। 19 अप्रैल को उत्तर प्रदेश की आठ, राजस्थान की 13, मध्य प्रदेश की छह, असम की पांच, बिहार की चार, महाराष्ट्र की पांच, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ की एक-एक, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश की दो-दो, त्रिपुरा की एक, उत्तराखंड की छह, तमिलनाडु की 39, पश्चिम बंगाल की तीन, सिक्किम, नगालैंड, अंडमान और निकोबार, मिजोरम, पुडुचेरी, मणिपुर और लक्षद्वीप में मतदान होगा। मध्य प्रदेश में पहले चरण की सीटों पर शाम 6 बजे चुनाव प्रचार थम गया है। मप्र में पहले फेस में जबलपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, सीधी, शहडोल और बालाघाट में मतदान होगा। पहले चरण में कुल 88 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। जबलपुर से सबसे ज्यादा 19 उम्मीदवार है। जबकि शहडोल में सबसे कम 10 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं सीधी में 17, छिंदवाड़ा में 15, मंडला में 14 और बालाघाट में 13 कैंडिडेट चुनावी मैदान में है। वर्तमान में इन 6 सीटों में 5 पर भाजपा, वहीं छिंदवाड़ा में कांग्रेस का कब्जा है।

महाराष्ट्र की नागपुर सीट से केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी चुनाव मैदान में हैं। अरुणाचल पश्चिम सीट से केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। यहां उनका मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री नबाम तुकी से हैं। असम की डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल चुनावी समर में उतरे हैं। उत्तर प्रदेश की हाई प्रोफाइल सीट मुजफ्फनगर से केंद्रीय मंत्री संजीव बलियान मैदान में हैं। यहां उनका मुकाबला समाजवादी पार्टी के हरेंद्र मलिक और बसपा उम्मीदवार दारा सिंह प्रजापति से है। जम्मू-कश्मीर की उधमपुर सीट से चुनाव लड़ रहे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी लाल सिंह से है। राजस्थान की अलवर सीट से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। उनके सामने कांग्रेस के विधायक ललित यादव की चुनौती है। बीकानेर में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का मुकाबला कांग्रेस के पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल से है। तमिलनाडु की नीलगिरी लोकसभा सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा के सामने केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन चुनाव लड़ रहे हैं।

चेन्नई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र से पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन चुनाव में उतरी हैं। पश्चिम त्रिपुरा से पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में 19 अप्रैल को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान प्रक्रिया चलेगी। बालाघाट संसदीय क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र बैहर, लांजी और परसवाड़ा के सभी मतदान केन्द्रों में सुबह 7 से दोपहर 4 बजे तक मतदान होगा। राजन ने बताया कि मतदान शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले सुबह 5:30 बजे मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया अभ्यर्थी या उसके अधिकृत एजेन्ट की उपस्थिति में होगी। यदि कोई अभ्यर्थी या उसका एजेन्ट 5:30 बजे मतदान केन्द्र पर उपस्थित नहीं होता है, तो 15 मिनट तक उसका इंतजार किया जाएगा। इसके बाद मतदान दलों और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी। न्यूनतम 50 वोट से मॉकपोल किये जाने का प्रावधान है, जिसमें नोटा भी शामिल होगा। मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पूर्व बैलेट यूनिट एवं वीवीपीएटी को वीवीपीएटी कम्पार्टमेंट में रखा जाएगा। कंट्रोल यूनिट को पीठासीन अधिकारी की टेबल या मतदान अधिकारी के टेबल पर रखना होगा।

घोघला खारवा समाज के राम मंदिर में लगाया गया 56 भोग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 17 अप्रैल। घोघला खारवा समाज द्वारा आज रामनवमी मनाया गयी। इस अवसर पर घोघला खारवा समाज के रवि सोलंकी एवं भरत बाबू की ओर से भगवान श्री राम को 56 भोग लगाया गया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)